विज्ञापन हेतु डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

सक्षम उत्तराखण्ड

www.sakshamuttarakhand.com

वर्ष-14, अंक- 250 | देहरादून, बुधवार 14 मई 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- 1 रुपए

सीबीएसई 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी, लड़कियां आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। 10वीं में 93.60 फीसदी और 12वीं में 88.39 फीसदी स्टूडेंट्स पास

10वीं में 93.60 फीसदी, 12वीं में 88.39 फीसदी पास

हुए। इस साल 10वीं और 12वीं के करीब 44 लाख स्टूडेंट्स ने बोर्ड एग्जाम्स दिए थे। रिजल्ट में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से बेहतर रहा है। 10वीं लड़कियों का रिजल्ट 95.0 फीसदी, जबकि लड़कों का रिजल्ट 92.63 फीसदी रहा है। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.37 फीसदी बेहतर रहा है। 12वीं में लड़कियों का रिजल्ट 91.64 फीसदी और लड़कों का रिजल्ट 85.70 फीसदी रहा है। यानी दोनों क्लासेज में लड़कियों ने बाजी मारी है। सीबीएसई बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें। रिजल्ट घोषित होने के बाद स्टूडेंट्स अपनी मार्कशीट ऑनलाइन देख सकते हैं, लेकिन ये केवल टेंपरेरी है। छात्रों को अपनी ओरिजिनल मार्कशीट अपने स्कूल से लेनी होगी। ओरिजिनल मार्कशीट आगे की पढ़ाई और अन्य आधिकारिक कामों के लिए जरूरी होती है। स्कूल आमतौर पर स्टूडेंट्स को ओरिजिनल मार्कशीट के बारे में अपडेट कर देते हैं। साल 2024 में सीबीएसई बोर्ड 10वीं का रिजल्ट 13 मई को जारी हुआ था। वहीं साल 2023 में रिजल्ट 12 मई को जारी हुआ था। पिछले साल 10वीं में सीबीएसई बोर्ड के 93.06 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए थे।

हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे: पीएम

● आदमपुर एयरबेस से पीएम मोदी का कड़ा संदेश, जवानों को किया संबोधित

कहा-निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश...महाविनाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे जहां उन्होंने जवानों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा, आपने भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया; जब भारत माता की जय बोलते हैं तो दुश्मनों के कलेजे कांप जाते हैं। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया और कहा कि भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश और महाविनाश। पीएम मोदी ने कहा कि आपने पाकिस्तानी फौज को भी बता दिया कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकेंगे। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। और हमारे ड्रोन्स हमारी मिसाइलें उनके बारे में तो सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी।

सावधानी के साथ पाकिस्तान को जवाब दिया

पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन को पता ही नहीं चला कि कब उसका सीना छलनी हो गया, हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के अंदर टेटर हेडक्वॉर्टर को हिट करने का था आतंकियों को हिट करने का था लेकिन पाकिस्तान ने अपने यात्री विमानों को सामने करके जो साजिश रची मैं कल्पना कर सकता हूं कि वो पल कितना कठिन होगा जब नागरिक एयरक्रॉफ्ट दिख रहा है। मुझे गर्व है कि आपने बहुत सावधानी से बहुत सर्तकता से नागरिक एयरक्रॉफ्ट को नुकसान किए बिना कमाल करके दिखाया उसका जवाब दे दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी अपने लक्ष्यों पर बिल्कुल खरे उतरे हैं।

सेना ने जो किया, अभूतपूर्व है, अकल्पनीय है और अद्भुत है

प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधा है और आपने भारत की सीमाओं की रक्षा की है, भारत के स्वाभिमान को नई ऊंचाई दी है। आपने वो किया है अभूतपूर्व है अकल्पनीय है और अद्भुत है, हमारी एयरफोर्स ने पाकिस्तान में इतना डीप आतंक को अड्डों को टारगेट किया सिर्फ 20-25 मिनट के भीतर सीमा पार लक्ष्यों को भेदना बिल्कुल पिन प्वाइंट टारगेट को हिट करना ये सिर्फ एक मॉडर्न टेक्नॉलजी से लैस प्रोफेशनल फोर्स ही कर सकती है।

घाटी एनकाउंटर में लश्कर के तीन आतंकी हुए ढेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना का बड़ा ऐक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सेना ने आतंकियों के खिलाफ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। बताया गया है कि आतंकियों की तरफ से फायरिंग किए जाने के बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी चल रहा है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन आतंकियों का पहलगाम हमले से कनेक्शन है या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर के शुकरू केलर इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुठभेड़ कुलगाम जिले से शुरू हुई थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई। स्थानीय रिपोर्ट है कि सेना के जवाबी हमले में लश्कर के कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। सेना की तरफ से बताया गया है कि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। गौरतलब है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमलों के बाद से सुरक्षाबल दक्षिण कश्मीर और किश्तवाड़ के जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

भारत के खिलाफ फिर षडयंत्र रच रहे यूनुस

● पूर्वोत्तर राज्यों पर पका रहे हैं एक नया ख्याली पुलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने इस बार सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, जिनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है। सोमवार को यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही मोहम्मद यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था।

जैसे को तैसा...

अब टैरिफ से ही मिलेगा टैरिफ का जवाब

● अमेरिका ने सुरक्षा के नाम पर लगाया टैक्स तो भारत ने भी दिखा दिए तेवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव विश्व व्यापार संगठन के तहत रखा गया है। अमेरिका ने स्टील और एल्यूमीनियम पर जो शुल्क लगाए हैं, भारत उसका जवाब देना चाहता है। भारत का कहना है कि अमेरिका ने सुरक्षा के नाम पर यह शुल्क लगाया है। भारत ने एजेंसी को बताया कि अमेरिका के इस कदम से भारत से होने वाले 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत ने कहा कि इससे अमेरिका में आने वाले सामान पर 1.91 अरब डॉलर का शुल्क लगेगा। प्रस्ताव के अनुसार, भारत अमेरिका से आने वाले कुछ खास उत्पादों पर शुल्क बढ़ाएगा। इसका मतलब है कि उन उत्पादों पर अब ज्यादा टैक्स लगेगा। भारत ने कहा कि वह अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए शुल्क लगाने का अधिकार रखता है। भारत ने यह भी कहा कि वह इस बारे में 30 दिनों के बाद फैसला लेगा। 8 मार्च 2018 को अमेरिका ने कुछ स्टील और एल्यूमीनियम उत्पादों पर सुरक्षा शुल्क लगाया था। उन्होंने स्टील पर 25 फीसदी और एल्यूमीनियम पर 10 फीसदी का शुल्क लगाया। यह नियम 23 मार्च 2018 से लागू हुआ था। फिर 10 फरवरी 2025 को अमेरिका ने स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर लगे सुरक्षा उपायों को संशोधित किया।

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के पैसे से आतंकवाद को पाल पोस रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान विगत तीन दशकों से भी अधिक समय से कर्ज के नाम पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से अरबों रुपए की राशि ले चुका है। बावजूद इसके न तो इस उसकी सूरत बदली न सीरत। आखिर इतनी बड़ी राशि कहां जाती है, यह किसी को नहीं मालूम। दूसरी ओर, आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या और उसके वित्त पोषण को लेकर उसका रवैया हमेशा ही संदिग्ध रहा है। विडंबना यह है कि जिस समय पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति बनी थी, वैसे समय में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को करीब बारह हजार करोड़ रुपए का नया ऋण दे दिया। इस नाजुक समय में आइएमएफ के इस फैसले पर भारत ने स्वाभाविक ही चिंता जताते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए करता है। पाकिस्तान में कृषि से लेकर अर्थव्यवस्था तक चौपट हो चुकी है। विकास की रोशनी दिखाई नहीं देती। एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक से भी कर्ज लेने के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुस्त है। तब मुद्रा कोष को क्यों नहीं यह सवाल करना चाहिए कि उसका दिया पैसा आखिर किस मद में जाता है? यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान विकास की राह पर चलने के बजाय अपना सैन्य खर्च लगातार बढ़ा रहा है। वहीं उसने सीमापार आतंकवाद फैलाने और अपने यहां आतंकवादियों को पालने-पोसने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिलने वाले कर्ज की कोई कसौटी नहीं है। इसकी क्या गारंटी है कि मुद्रा कोष से मिली राशि का उपयोग पाकिस्तान अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और आतंकवादियों को संरक्षण देने में नहीं करेगा। हैरत की बात है कि पाकिस्तान को न तो अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की चिंता है और न ही बच्चों की शिक्षा की फिक्र। उस पर करीब दस लाख करोड़ से अधिक का कर्ज है जो उसकी जीडीपी का बयालीस फीसद है। यह छिपा नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले ऋण को खर्च करने के मामले में उसने कभी पारदर्शिता नहीं बरती। इसलिए वैश्विक वित्तीय संस्थानों को पाकिस्तान को कर्ज देते समय वैश्विक मूल्यों का खयाल रखना चाहिए।

आज का कार्टून

खुद की ही लगाई आग में खाक होता पाकिस्तान...

पाकिस्तान की हरकतों से साफ़ है कि उसकी मौजूदा आर्थिक स्थिति का सबसे बड़ा कारण है उसकी विदेश नीति का आतंकवाद-केंद्रित होना। भारत के खिलाफ आतंकियों को समर्थन देने के लिए उसे वैश्विक स्तर पर पहले ही अलग-थलग किया जा चुका है। नतीजा यह है कि चीन को छोड़कर न कोई देश भरोसा करता है, न निवेश करता है। चीन की मंशा भी पाकिस्तान को तरक्की के रास्ते पर ले जाना नहीं है बल्कि धीरे-धीरे उसकी ज़मीन पर कब्जा करने की है। अब ऐसे में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक शक्तियों को चाहिए कि वे आत्ममंथन करें और पाकिस्तान को आतंकवाद छोड़कर विकास के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर करें, वरना यह गर्त तो गहरा ही रहा है। जहां तक आतंकवाद के ख़िलाफ़ भारत के रुख़ की बात है तो भारतीय वायु सेना का स्पष्ट संदेश आगे की कहानी समझाने के लिए काफी है। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रविवार को भी भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बयान सामने आया। भारतीय वायु सेना ने स्पष्ट कहा कि 'ऑपरेशन' अभी जारी है।

अमित शर्मा

कर्ज, गरीबी,भूख और अराजकता के दलदल में फंसा पाकिस्तान अब खुद की लगाई आग में झुलस रहा है। आतंकवाद की फैक्ट्री चलाते-चलाते पाकिस्तान की हालत ये हो गई है कि एक बार फिर वह 'भीख' मांगता नजर आया। जैसे ही भारत ने पाकिस्तान को पहलगाम हमले का मुहंतोड़ जवाब दिया उसने तुरंत आईएमएफ से गरीबी का रोना शुरू कर दिया। लोन के लिए ट्वीट तक कर दिया, हालांकि बाद में इसे फर्जी बताया लेकिन दुनिया को ये समझना होगा कि पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली सिर्फ वैश्विक परिस्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं की वजह से नहीं है, बल्कि यह उसकी खुद की बनाई नीतियों, विशेष रूप से आतंकवाद को पनाह देने और बढ़ावा देने की नीतियों का नतीजा है। भारत के खिलाफ दशकों से छद्म युद्ध चलाना, आतंकी संगठनों को समर्थन देना और कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झूठ फैलाना, इन सब ने पाकिस्तान को आर्थिक और सामाजिक रूप से खोखला कर दिया है।

पाकिस्तान भले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने हालात का रोना रोकर विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रहा हो लेकिन भारत का रुख अभी भी साफ है कि बेशक हम शांति के पक्षधर हैं लेकिन किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारत की तरफ से साफ कहा गया है कि तनाव खत्म तभी हो सकता है जब पाकिस्तान भी अपनी जिम्मेदारी समझे, जिसने पहलगाम की शांत घाटी में निर्दोषों की जान लेने वालों को पनाह दे रखी थी। भारत को इस बात का बखूबी अंदाजा है कि पाकिस्तान में नेताओं का कमिटमेंट कोई मायने नहीं रखता क्योंकि यहां सारे बड़े फैसले सेना ही लेती है और सेना आतंकवादियों के इशारे पर नाचती है लेकिन सवाल ये उठता है कि लगातार गीदड़ भभकी देने वाला पाकिस्तान अचानक से बैकफुट पर क्यों आ गया? और क्या वह अपनी हरकतों से बाज आ जाएगा।

दरअसल पाकिस्तान को इस बार अंदाजा नहीं था कि भारत इस कदर उसे मुंहतोड़ जवाब देगा। भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में जितनी तेजी से मौजूद आतंकी ढांचा ढहाया पाकिस्तान के होश उड़ गए। आतंक के आकाओं को समझते देर न लगी कि भारतीय सेना के आगे उनके 'चाइनीज खिलौने' टिकने वाले नहीं। भारतीय सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। ऐसे में पाकिस्तान के पैर उखड़ने तय थे। इसके अलावा पाकिस्तान की आर्थिक मोर्चे पर भी हालत इतनी पतली है कि अगर आईएमएफ और चीन से उसे भीख न मिले तो खाने को भी तबाह होते देर न लगेगी।

आंकड़ों पर गौर करें तो 2023 के अंत तक पाकिस्तान का कुल बाहरी कर्ज लगभग 131 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घटता जा रहा है और महंगाई दर आसमान छू रही है। देश की मुद्रा डॉलर के मुकाबले तेजी से कमजोर हो रही है। जहां भारत का 2024-25 का बजट करीब 48 लाख करोड़ रुपए है, वहीं पाकिस्तान का बजट महज 6 लाख करोड़ रुपए के करीब है। भारत की अर्थव्यवस्था अब 4.3 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुकी है, जबकि पाकिस्तान 370 अरब डॉलर के करीब ही सिमटा हुआ है। ये अंतर सिर्फ आंकड़ों का नहीं है, बल्कि नीति, स्थिरता और नेतृत्व के बीच के अंतर को भी दर्शाता है।

पाकिस्तान ने 2000 से 2021 तक चीन से लगभग 70.3 अरब डॉलर का कर्ज लिया है, जिसमें अधिकतर राशि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं के तहत दी गई। इनमें बंदरगाह, सड़कें और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। परंतु ये कर्ज भारी ब्याज दरों पर मिले हैं और अब चीन इन परियोजनाओं में अपना कब्ज़ा जमाने लगा है, खासतौर पर ग्वादर बंदरगाह पर। चीन धीरे-धीरे पाकिस्तान की जमीन पर कब्जा कर रहा है। सीपीईसी के नाम पर पाकिस्तान को मदद देने वाला चीन, असल में उसकी संप्रभुता को निगल रहा है। ग्वादर बंदरगाह पर चीन को संचालन का अधिकार मिलना और बलूचिस्तान में चीनी सैनिकों की तैनाती जैसे कदम पाकिस्तान को धीरे-धीरे एक उपनिवेश बना रहे हैं। कर्ज चुकाने में असमर्थ पाकिस्तान अब अपनी संपत्ति गिरवी रखने को मजबूर हो गया है।

पाकिस्तान ने अब तक आईएमएफ से 24 बार कर्ज लिया था, हाल ही में मिले कर्ज को मिलाकर कुल 25 बार हाथ फैला चुका है। 2024 में 7 अरब डॉलर कर्जा लिया था तो आईएमएफ ने शुक्रवार को पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का लोन और दे दिया। इसके बाद आईएमएफ के कर्ज देने के तरीके पर भी सवाल उठ रहे हैं। हर बार आईएमएफ से कर्ज लेने के बाद पाकिस्तान कड़े आर्थिक सुधारों की शर्तें मानने की बात कहता है लेकिन असल में वो ग़रीब जनता के नाम पर लिए गए फंड को हमेशा से आतंक को पोषित करने के लिए उपयोग करता आ रहा है। आईएमएफ के अलावा पाकिस्तान चीन के सामने हाथ फैलाए रहता है, हालांकि चीन ने 2025 में 2 अरब डॉलर का कर्ज रिन्यू किया है, पर यह अब खुले तौर पर संकेत दे रहा है कि वह अंधाधुंध पैसा नहीं बहाएगा। पैसे की दम पर चीन पाकिस्तान को एक 'वसाल स्टेट' में बदलता जा रहा है।

पाकिस्तान की गरीबी दर 2024 में बढ़कर 25.3त्न हो गई है। करीब 1.3 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। देश में आटा, दाल, चावल, दूध जैसी जरूरी चीजों की भारी कमी है। गरीबों को पेट भरना भी मुश्किल हो रहा है। बावजूद इसके पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री चलाने से बाज नहीं आ रहा। मार पड़ते ही मानवाधिकार का रोना रोने वाला ये मुल्क अपने यहां लोगों को जरूरी चीजें भी नहीं दे पा रहा लेकिन गोला-बारूद की बातें करने से बाज नहीं आता, यह वजह है कि देश बेतहाशा गरीबी और अराजकता के दलदल में धंस चुका है। इतना ही नहीं पाकिस्तान के स्कूलों और अस्पतालों की हालत तो भगवान भरोसे है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की पहुंच नहीं है लेकिन मदरसों में आतंकवाद का पाठ पढ़ाया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाएं लगभग खत्म हो चुकी हैं। सरकार के पास संसाधन नहीं हैं और जो हैं, वे रक्षा और कश्मीर मुद्दे पर खर्च कर देती है। यही वजह है कि जो पाकिस्तान गीदड़ भभकी दे रहा था वह कल सीजफायर की दुहाई देता नज़र आ रहा था।

शनिवार को खुद पाकिस्तान सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाया लेकिन इसके बाद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। शनिवार की रात को ही संघर्ष विराम और वायु क्षेत्र उल्लंघन की घटनाओं को अंजाम दिया। इसके बाद भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पश्चिमी सीमाओं पर तैनात सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। थल सेना प्रमुख ने 10 मई को हुई डीजीएमओ वार्ता के तहत बनी सहमति के उल्लंघन होने की स्थिति में 'काइनेटिक डोमेन' यानी जवाबी कार्रवाई के लिए सेना के कमांडरों को पूरी छूट दे दी है। सेना की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार, पश्चिमी सीमा पर किसी भी तरह के उल्लंघन पर सेना तुरंत और प्रभावी जवाब देगी।

पाकिस्तान की हरकतों से साफ़ है कि उसकी मौजूदा आर्थिक स्थिति का सबसे बड़ा कारण है उसकी विदेश नीति का आतंकवाद-केंद्रित होना। भारत के खिलाफ आतंकियों को समर्थन देने के लिए उसे वैश्विक स्तर पर पहले ही अलग-थलग किया जा चुका है। नतीजा यह है कि चीन को छोड़कर न कोई देश भरोसा करता है, न निवेश करता है। चीन की मंशा भी पाकिस्तान को तरक्की के रास्ते पर ले जाना नहीं है बल्कि धीरे-धीरे उसकी ज़मीन पर कब्जा करने की है। अब ऐसे में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक शक्तियों को चाहिए कि वे आत्ममंथन करें और पाकिस्तान को आतंकवाद छोड़कर विकास के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर करें, वरना यह गर्त तो गहरा ही रहा है। जहां तक आतंकवाद के ख़िलाफ़ भारत के रुख़ की बात है तो भारतीय वायु सेना का स्पष्ट संदेश आगे की कहानी समझाने के लिए काफी है। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रविवार को भी भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बयान सामने आया। भारतीय वायु सेना ने स्पष्ट कहा कि 'ऑपरेशन' अभी जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर से आतंक का सफाया...

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए।

डॉ. शंकर सुवन सिंह

ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है । हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जहन्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी।

हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

वहीँ दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुस्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वतः के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत करती है। व्यक्ति,समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वतः से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है। आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है। कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आस्तिकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नास्तिकता को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नास्तिकता नरक को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है। नास्तिकता नरक के द्वार को खोलता है। अतएव आतंकवाद किसी नरक से कम नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि आतंकवाद, नास्तिकता का प्रतीक है। पाकिस्तान आतंकवाद की आड़ में अपनी विजय पताका लहराना चाहता है। जिस किसी देश ने आतंकवाद को अपने देश में दखलंदाजी करने की सह दी वह देश बर्बाद हो गया। भारत जैसा देश जो आतंकवाद के खिलाफ है वो महान है। आतंकवाद विश्व के भविष्य के लिए चेतावनी है। विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक होकर लड़ने की जरुरत है। सभी देशों को मिलकर विश्व के स्थाई भविष्य के लिए काम करना चाहिए। भारत पाकिस्तान का यह युद्ध आतंकवाद पर कड़ा प्रहार साबित होगा। अतएव हम कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद की कमर टूटी है और आतंकियों का सफाया हुआ है।

सीएम ने 1100 कन्याओं का किया पूजन, बोले- आतंकवाद पर भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति

अल्मोड़ा, एजेंसी। सीएम धामी सोमवार को श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम न्यास (डोल आश्रम) के श्री पीठम स्थापना महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस दौरान 1100 कन्याओं का पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रहा है। उन्होंने पहलगाम हमले पर दुख जताया। कहा कि हमारी सेना ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। सीएम ने ये बातें श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम न्यास (डोल आश्रम) के श्री पीठम स्थापना महोत्सव के समापन समारोह में कही। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस दौरान 1100 कन्याओं का पूजन भी किया। मां राजेश्वरी का अभिषेक और पूजा कर देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि डोल आश्रम में आकर हमेशा ही उन्हें एक दिव्य ऊर्जा का अहसास होता है।

उन्होंने कहा कि सरकार मानसखंड माला मिशन के माध्यम से सभी मंदिरों को अवस्थापना सुविधाओं से जोड़ रही है ताकि आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। डोल आश्रम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तो मिल रहा है,

युवाओं को भारतीय संस्कृति के बारे में शिक्षित करने का कार्य भी हो रहा है। यह साधना और अध्यात्म का एक भव्य और दिव्य केंद्र है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति की पताका विश्व में लहरा रही है। प्रदेश में संस्कृति संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार एक कठोर धर्मांतरण कानून लाई है। लैंड जिहाद, लव जिहाद जैसी अनेक साजिशों पर कार्रवाई करते हुए अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कल्याणदास महाराज ने आश्रम में जिस प्रकार से श्रीयंत्र स्थापित किया है, उससे आने वाले समय में पूरे विश्व के लोग इस आश्रम में शांति, अध्यात्म और संस्कृति को जानने के लिए आएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की बधाई भी दी।

इस दौरान बाबा कल्याणदास जी महाराज ने कहा कि सभी को अपनी जन्मभूमि के लिए बेहतर कार्य करने होंगे। बुरे व्यसनों को त्याग कर अध्यात्म को अपनाना होगा। तभी जीवन एवं समाज सुख समृद्धि प्राप्त कर पाएगा। उन्होंने संस्कृत को अपनाने पर जोर दिया। कहा कि जब तक संस्कृत हमारे हृदय में जीवित है, तब तक भारतीयता को कोई खतरा नहीं हो सकता। कार्यक्रम का संचालन स्वामी विश्वेश्वरनंद महाराज ने किया।

सीएम ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई। कहा कि सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए उत्तराखंड का विकल्प रहित संकल्प के ध्येय के साथ आगे बढ़ रही है। समान नागरिक संहिता को लागू करने वाला पहला प्रदेश बनने का गौरव भी उत्तराखंड ने हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सख्त नकल विरोधी कानून ने प्रदेश के युवाओं को एक निष्पक्ष अवसर प्रदान किया है और प्रत्येक जिले के अभ्यर्थी अब चयन सूची में जगह बना रहे हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा, जागेश्वर के विधायक मोहन सिंह मेहरा, अल्मोड़ा के विधायक मनोज तिवारी, पूर्व स्पीकर गोविंद सिंह कुंजवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, स्वामी विश्वेश्वरानंद, सुभाष पांडे, गणेश जलाल, प्रकाश भट्ट, दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश खोलिया, दीवान सतवाल, डीएम आलोक कुमार पांडेय, एसएसपी देवेंद्र पींचा।

प्रदेश के सभी जिलों में लगी लोक अदालत

नैनीताल, एजेंसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सह कार्यपालक अध्यक्ष हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी के आदेश पर प्रदेश के सभी 13 जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के सदस्य सचिव प्रदीप मणि त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को हाईकोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए दो खंडपीठ गठित की गई थी जिसमें न्यायमूर्ति आशीष नैथानी एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ में कुल 15 वादों का निस्तारण किया। बताया कि अल्मोड़ा जिला न्यायालय में 82 में से 82 वादों का निस्तारण कर 11,41,050 रुपया समझौता धनराशि वसूली गई। बागेश्वर में 70 वादों का निस्तारण कर 61,74,782 रुपये समझौता राशि, चमोली में 73 वाद का निस्तारण कर 16,64,518 रुपये, चंपावत में 144 वादों का निस्तारण कर 76,62,522 रुपये समझौता राशि वसूल की गई।

मैनोली गांव के ग्रामीणों को छह दिन में मिल जाएगा पानी

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। ब्लॉक के ग्राम मैनोली के ग्रामीणों के आंदोलन से प्रशासन झुक गया है। शनिवार को प्रशासन की टीम आंदोलन स्थल पर पहुंची और आंदोलनकारियों को मनाया लेकिन ग्रामीण लिखित आश्वासन पर अड़ गए।

उन्हें लिखित आश्वासन दिया कि ''हर घर नल-हर घर जल'' योजना के तहत गांव में आगामी 16 मई तक पानी उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके बाद आंदोलन समाप्त हो गया।

बता दें कि मैनोली के ग्रामीण जन मिलन केंद्र में पांच दिन से क्रमिक अनशन और धरना करते आ रहे हैं। ग्रामीण पेयजल लाइनों को पेयजल टैंक से जोड़कर पेयजलापूर्ति करने की मांग के लिए आंदोलन कर रहे हैं। शनिवार को तहसीलदार तीतिक्षा जोशी के नेतृत्व में प्रशासन की टीम आंदोलन स्थल पर पहुंची।

इस बीच लिखित आश्वासन के साथ ही मैनोली में ''हर घर नल-हर घर जल'' योजना के तहत काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आगामी 16 मई तक ग्रामीणों को पानी मिल जाएगा।

इसके बाद ग्रामीण मान गए लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि नियत तिथि पर पेयजल उपलब्ध नहीं हुआ तो फिर वे 17 मई से द्वाराहाट तहसील में आंदोलन शुरू कर देंगे। इसके बाद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। इसके बाद ब्लॉक प्रशासक दीपक किरौला ने आंदोलनकारियों को जूस पिलाकर क्रमिक अनशन तुड़वाया।

शनिवार को पांचवें रोज क्रमिक अनशन और धरने में ओम प्रकाश उपाध्याय, शंभू दत्त उपाध्याय, नवीन चंद्र उपाध्याय, दयाल चंद्र उपाध्याय, प्रकाश चंद्र उपाध्याय, लीलाधर उपाध्याय, गोपाल दत्त उपाध्याय, बाला दत उपाध्याय, खीमानंद मैनाली, नवीन चंद्र मैनाली बैठे।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष पद से बॉबी पंवार ने दिया इस्तीफा, राम कंडवाल को मिली नई जिम्मेदारी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष पद से बॉबी पंवार ने आज इस्तीफा दे दिया है. बॉबी पवार ने संघ की कोर टीम के सदस्यों को अपना इस्तीफा सौंपा है. इस दौरान मार्च 2 2018 से अब तक के अपने संपूर्ण संघर्ष को उन्होंने साझा करते हुए अपनी उपलब्धियां भी गिनाई हैं. उन्होंनेकहा इसका सारा श्रेय उत्तराखंड बेरोजगार संघ की पूरी टीम को जाता है.

बॉबी पवार ने कहा विगत 7 से 8 वर्षों के दौरान हजारों युवाओं की लड़ाई लड़ते हुए उन्होंने रोजगार दिलाया. कई नकल माफिया को सलाखों के पीछे पहुंचाया. इसके बाद परीक्षाओं में काफी पारदर्शिता आई है. सरकार को भी नकल रोधी कानून प्रदेश में लागू करना पड़ा. जिसके लिए उन्हें करीब डेढ़ दर्जन मुकदमों का सामना भी करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि हजारों युवा जो आज प्रदेश के विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं.

बॉबी पवार ने उत्तराखंड बेरोजगार संघ की टीम को धन्यवाद अदा करते हुए आभार प्रकट किया है. इसके साथ ही उनका कहना है कि उत्तराखंड बेरोजगार संघ से जुड़े सैकड़ो युवाओं की बदौलत उन्होंने टिहरी लोक सभा संसदीय सीट से चुनाव भी लड़ा. जिसमें हजारों युवाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया. बॉबी पवार ने कहा उत्तराखंड बेरोजगार संघ एक गैर राजनीतिक संगठन है. आगे भी यह संगठन इसी रूप में काम करते हुए बेरोजगारों से जुड़े मुद्दों को उठाता रहेगा, इसलिए अब उन्हें इस पद पर बने रहना ठीक नहीं लग रहा है. इसके बाद उन्होंने संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला लिया है. वहीं, कोर टीम की कई दौर की बैठकों के बाद सर्वसम्मति से कोटद्वार निवासी राम कंडवाल को संघ का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है. सभी कार्यकारिणी भंग कर दी गई है.

वनाग्नि नियंत्रण के साथ हरियाली बढ़ाने को मिलेंगे 439 करोड़, मंत्रालय को भेजा गया प्रस्ताव

देहरादून, एजेंसी। वनाग्नि नियंत्रण के साथ वन मुख्यालय ने इस वित्तीय वर्ष में 439 करोड़ से अधिक का प्रस्ताव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा हुआ है। कैंपा मद की पहली किस्त के जल्द मिलने की संभावना है।

कैंपा मद से प्रदेश में वनाग्नि नियंत्रण प्रबंधन और हरियाली बढ़ाने के लिए 439 करोड़ मिलेंगे। वन मुख्यालय ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था, इसकी पहली किस्त जल्द जारी हो सकती है।

वन विभाग हर साल पौधरोपण, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने, वनाग्नि नियंत्रण से जुड़े कार्य करता है। इस काम के लिए राज्य सेक्टर से बजट मिलता है। इसके अलावा प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैंपा) से भी क्षतिपूरक वनीकरण, सुरक्षात्मक कार्यों के लिए बजट जारी होता है। वन मुख्यालय ने इस वित्तीय वर्ष में 439 करोड़ से अधिक का प्रस्ताव भेजा हुआ है। इसमें पहली किस्त के तौर पर 200 करोड़ की राशि मिलने की उम्मीद है। कैंपा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर सिन्हा कहते हैं कि वित्तीय वर्ष-2025-2026 के लिए जो प्रस्ताव गया है, उसे लेकर एक बैठक हो चुकी है।

विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नहीं किया जाएगा कोई समझौता नहीं: सीएम

खटीमा, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नगला तराई ग्राम पंचायत में 254 लाख रुपये की धनराशि से निर्माणाधीन मां पूर्णागिरि मंदिर के कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग को मंदिर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने व मंदिर में पानी व शौचालय व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने समय बद्धता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने डीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि कार्यदायी संस्था अथवा ठेकेदार अच्छा कार्य नहीं करें तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने लोहिया हेड कैंप कार्यालय में जनता से मुलाकात की व उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उसके बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से अल्मोड़ा के लिए रवाना हुए। वहां पर रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा, काशीपुर मेयर दीपक बाली, अनिल कपूर डब्बू, खटीमा नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, प्रकाश तिवारी, कमल जिंदल, सकीर अहमद अंसारी आदि थे।

खटीमा। सकीर अहमद अंसारी ने सीएम धामी को ज्ञापन सौंपते हुए मुस्लिम पसमांदा समाज के लिए प्रदेश में एक कल्याण निधि बनाने की मांग की, जिससे बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें। उन्होंने मुस्लिम समाज के बच्चों के लिए इस्लाम नगर में इंटर कॉलेज खोलने की मांग की। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन ने सीएम को ज्ञापन सौंपकर उनकी सभी लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की।

कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत पांच दिवसीय गढ़वाल दौरे पर, चारधाम यात्रा व्यवस्था परखेंगे

चमोली, एजेंसी। कैबिनेट मंत्री धन सिंह चमोली में चारधाम यात्रा व्यवस्था परखेंगे। वह आज से पांच दिवसीय गढ़वाल क्षेत्र का दौरा करेंगे।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत चमोली में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को परखेंगे। 13 मई से गढ़वाल क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। कैबिनेट मंत्री पांच दिवसीय दौरे की शुरूआत श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र से करेंगे। मंगलवार को सिमखेत में बाढ़ सुरक्षा कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

बुधवार को डॉ. रावत कलगड़ी मल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर

स्थानीय लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद राजकीय इंटर कॉलेज कालौं के नव निर्मित भवन तथा पटोटी के बहुउद्देशीय पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे साथ ही वह प्राथमिक विद्यालय कालौं व चमगांव के स्वीकृत भवन व सौंदर्यीकरण का शिलान्यास करेंगे।

बृहस्पतिवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत भुवनेश्वरी में ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर नव प्रवेशित छात्रों के मंगल स्नान एवं यज्ञोपवीत संस्कार में हिस्सा लेंगे और उन्हें दीक्षारंभ की शुभकामनाएं प्रेषित करेंगे।

16 व 17 मई को कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत चमोली जनपद के दौरे पर रहेंगे। जहां वह चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। इस दौरान वह यात्रा मार्गों पर स्थित स्वास्थ्य विभाग की स्थाई व अस्थाई चिकित्सा इकाइयों का भी निरीक्षण करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

छात्रावास के लिए बस और 60 बेड देने की घोषणा

देहरादून, एजेंसी। शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास झड़ीपानी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से मिलकर समस्याएं सुनीं। बच्चों की मांग पर उन्होंने एक स्कूल बस और 60 बेड देने की घोषणा की।

छात्रों ने शिक्षा मंत्री को बताया कि उन्हें पढ़ाई के लिए छात्रावास से करीब छह किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। बारिश और सर्दियों में अधिक समस्या का सामना करना पड़ता है। छात्रों ने स्कूल बस की मांग की। वार्डन हुकम सिंह उनियाल ने बताया कि बच्चों की समस्या को देखते हुए शिक्षा मंत्री ने 60 बेड बॉक्स देने की भी घोषणा की। वार्डन ने शिक्षामंत्री को छात्रावास में छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर दिनेश भट्ट, भूपेंद्र, हर्षवर्धन बहुगुणा, सुरेश रतूड़ी, सुमन, सपना, महावीर आदि मौजूद रहे। शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत परिवार के साथ अटल उद्यान पहुंचे और सैर की। परिवार के साथ वह वैक्स म्यूजियम भी पहुंचे। उद्यान संचालक सुरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि शिक्षा मंत्री ने अटल उद्यान की व्यवस्थाओं और प्राकृतिक खूबसूरती की प्रशंसा की। इस दौरान भाग सिंह रावत, भारत रावत आदि मौजूद रहे।

शिलगुर-बिजट महाराज के चिह्न पहुंचे तारली

देहरादून, एजेंसी। पंजिया गांव स्थित मंदिर से शिलगुर और बिजट महाराज के देवचिह्न एक रात्रि के प्रवास पर तारली गांव पहुंचे। ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर देवचिह्नों का स्वागत किया। देव दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पंजिया पहुंचे। इस मौके पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। तारली गांव निवासी दीवान सिंह तोमर ने बताया कि उनके पिता जय सिंह तोमर ने 40 वर्ष पूर्व घर की खुशहाली और बच्चों की तरक्की के लिए देवता से मनोकामना मांगी थी। मनोकामना पूर्ण होने पर देवचिह्नों को एक रात्रि के प्रवास पर अपने घर लाने की बात कही थी। बताया कि देवचिह्नों को रविवार दोपहर करीब एक बजे पंजिया गांव स्थित मंदिर से बाहर निकाला गया। इसके बाद तारली गांव के लिए प्रस्थान किया गया। बताया कि देवचिह्नों को साहिया बाजार होते हुए तारली गांव लाया गया। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। तारली गांव पहुंचने पर शुभ मुहूर्त में देवचिह्नों को घर में प्रवेश कराया गया। बताया कि सोमवार सुबह देवचिह्न अपने धाम पंजिया के लिए प्रस्थान करेंगे। इस मौके पर देव पुजारी संतराम भट्ट, विजय राम भट्ट, टीकम सिंह चौहान, बलवीर सिंह चौहान, गुलाब सिंह चौहान, संतराम चौहान, भवान सिंह, कुंदन सिंह, केदार सिंह चौहान, केशर सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

आसन नदी और शक्ति नहर में मिले पुरुष और महिला के शव

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र में आसन नदी और शक्ति नहर में एक महिला और पुरुष के शव उतराते मिले। पुरुष की पहचान हो गई है। जबकि महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोतवाली पुलिस को रविवार दोपहर 1:53 बजे सूचना मिली कि आदुवाला के आसन नदी में एक शव उतरता दिखाई दे रहा है। हरबर्टपुर चौकी प्रभारी सनोज कुमार और एसडीआरएफ के उपनिरीक्षक सुरेश तोमर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने शव को नदी से बाहर निकाला।

वहीं, दोपहर करीब 3:30 डाकपत्थर चौकी पुलिस को पुल नंबर एक से 50 मीटर पहले शक्तिनहर में एक शव उतरता नजर आने की सूचना मिली। डाकपत्थर चौकी प्रभारी विवेक भंडारी और एसडीआरएफ के उप निरीक्षक सुरेश तोमर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने शव को नहर से बाहर निकाला। शव महिला का था। सीओ बीएल शाह ने बताया कि आसन नदी में मिले शव की पहचान हो गई है। मृतक का नाम कुंजा निवासी दर्शन सिंह (62) पुत्र मुखराम है। परिजनों के मुताबिक दर्शन सिंह मजदूरी करता था। शराब पीने का भी आदी था।

सीओ ने बताया कि शक्ति नहर में मिले महिला के शव की पहचान नहीं हो पाई है। कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि महिला डंडा जीवनगढ़ की ओर से आई थी। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। मृतका की आयु करीब 45 साल के करीब है। उसकी पहचान की जा रही है।

प्रदेश में पर्यटन के लिए मुसीबत भरा रहा ये समय

देहरादून, एजेंसी। मई महीने में जब मैदानी जिलों में गर्मियां लोगों को परेशान करने लगती है और राज्य में चारधाम यात्रा की भी शुरुआत हो जाती है. ऐसे समय में प्रदेश के हिल स्टेशन और यात्रा रूट खाली दिखाई दे रहे हैं. ना तो पर्यटक पहाड़ों पर प्रकृति का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं और ना ही चारधामों में ही भीड़ भाड़ दिखाई दे रही है.

पर्यटन को हो रहा नुकसान- बात नैनीताल की करें तो यहां पर भी पर्यटकों की मौजूदगी पिछले सालों की तुलना में कुछ कम ही है. वैसे तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन एक कारण पिछले दिनों यहां हुई हिंसक घटना भी हैं. हालांकि राज्य सरकार ने नैनीताल को लेकर स्थितियां सामान्य होने का संदेश भी दिया है. लेकिन घटना ने पर्यटन को नुकसान पहुंचा है. उधर हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव ने भी पर्यटकों के कदम यहां पहुंचने से रोके हैं.

लोग पर्वतीय क्षेत्रों में आने से कर रहे परहेज- नैनीताल की तरह ही मसूरी में भी यह समय ऐसा होता है, जब पर्यटक आना पसंद करते हैं और यहां पर्यटकों की भारी संख्या आने के कारण देहरादून तक में भी ट्रैफिक का दबाव दिखने लगता है. लेकिन इस बार ऐसा नहीं दिख रहा और मसूरी में कारोबारी फिलहाल भारी नुकसान झेल रहे हैं. इसके पीछे की एक वजह अप्रत्याशित मौसम भी है. दरअसल, प्रदेश में इस समय भारी गर्मी व लगातार बारिश का सिलसिला जारी है.

होटल में बुकिंग हुई कैंसिल- इसके कारण भी उम्मीद के अनुसार अभी मैदानी जिलों में भी तापमान नहीं पहुंच पाया है, उधर बारिश के दौरान भी लोग पर्वतीय क्षेत्रों में आने से परहेज करते हैं. यही स्थिति देहरादून की भी है, यहां होटल व्यवसाय मुसीबत में दिखाई देते हैं, देहरादून के जाने-मानें होटल के एमडी मनु कोचर बताते हैं कि फिलहाल 70त तक की होटल में बुकिंग कैंसिल की जा चुकी है. हालांकि इसके पीछे वह सबसे बड़ी वजह भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को वजह मानते हैं.

प्रदेश के कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर, अब दो साल से ज्यादा गैप के बाद भी मिलेगी ग्रेजुएशन की डिग्री

देहरादून, एजेंसी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाले विद्यार्थी यदि प्रथम वर्ष पास करने के बाद अगले दो वर्ष से अधिक समय तक किन्हीं कारणों से पढ़ाई जारी नहीं रख पाते हैं तो वह पांचवें और छठवें वर्ष में स्नातक द्वितीय और तृतीय वर्ष की पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। छात्र को स्नातक के तीन वर्षीय डिग्री कोर्स छह वर्षों में पूरा करना होगा। यह बदलाव विवि की गठित समिति की संस्तुति के बाद किया गया।

विवि के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि विवि की ओर से गठित समिति की ओर से संस्तुति और कुलपति प्रो. एनके जोशी के अनुमोदन के बाद विवि की प्रवेश निर्देशिका में प्रवेश संख्या 35 में दी गई व्यवस्था में आंशिक संशोधन किया गया है।

स्नातक के छात्रों को पढ़ाई के दौरान दो वर्ष से अधिक के गैप की बाध्यता को व्यापक छात्रहित में समाप्त कर दिया गया है, लेकिन प्रतिबंध यह रहेगा कि स्नातक की उपाधि छह वर्ष के भीतर पूरी करनी होगी।

विवि ने पहले स्नातक के रेगुलर डिग्री कोर्स में दो वर्ष से अधिक के गैप को समाप्त कर दिया था। यानी किसी छात्र ने प्रथम वर्ष की पढ़ाई करने के बाद लगातार दो वर्ष अनुपस्थित रहने के बाद चौथे वर्ष अपनी पढ़ाई जारी रखकर द्वितीय वर्ष पूरा करना था, लेकिन अब छात्र नियमित प्रथम व द्वितीय वर्ष पास कर अगले तीन वर्ष तक पढ़ाई करने में समर्थ नहीं भी होता है तो उसे छठे वर्ष में अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर स्नातक की डिग्री मिल सकेगी।

चारधाम यात्रा : ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं है तो ना लें टेंशन, अब एक कॉल से दूर होगी मुश्किल

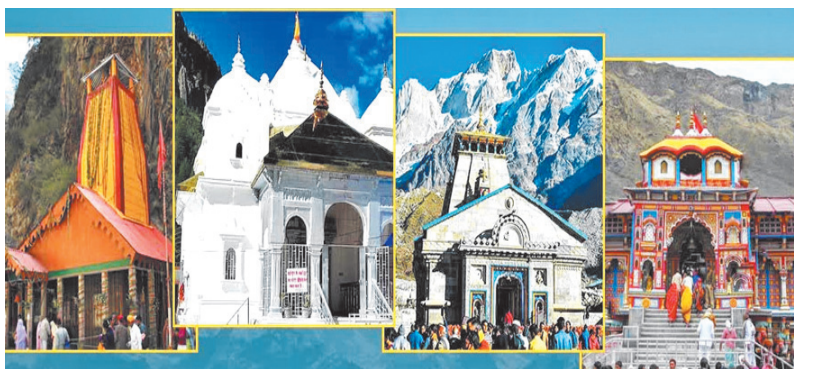

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा जोरों शोरों से चल रही है. श्रद्धालुओं की उत्साह को देखते हुए पर्यटन विभाग श्रद्धालुओं की यात्रा सुलभ और सुगम करने में जुटा है. ऐसे में चारधाम यात्रा पर श्रद्धालु बिना रजिस्ट्रेशन के एक ग्रुप में आ रहे हैं तो उनके रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था मात्र एक कॉल से हो जाएगी. श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग ने ये व्यवस्था शुरू की है, जिसके तहत अन्य राज्यों से 25 से अधिक श्रद्धालुओं के ग्रुप को तत्काल रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

पर्यटन विभाग ने टोल फ्री नंबर किया जारी- गौर हो कि व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं का ग्रुप ऋषिकेश, हरिद्वार या फिर विकासनगर में जिस भी जगह रुका होगा, वहीं पर पर्यटन विभाग की टीम पहुंच कर सभी श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन करेगी. इसके लिए श्रद्धालुओं के ग्रुप के किसी भी सदस्य को पर्यटन विभाग के टोल फ्री नंबर 0135- 1364 पर कॉल करके रजिस्ट्रेशन करवाने की जानकारी देनी होगी. इसके बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचकर श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन करेंगे.

चारधाम यात्रा को देखते हुए पर्यटन विभाग ने काफी अहम कदम उठाए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कोई दिक्कत ना हो. इस बार आधार बेस्ड रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की गई. इसके साथ ही जो श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रहे थे, उनके लिए ऋषिकेश, हरिद्वार और विकासनगर में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी चल रही है. इसके अलावा, 25 से अधिक श्रद्धालुओं का ग्रुप चारधाम की यात्रा पर आ रहा है तो उनके लिए ये व्यवस्था शुरू की गई है. ग्रुप जहां भी रुका होगा, उनका वहीं पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. ग्रुप कॉल करके रजिस्ट्रेशन कर्मचारियों को अपने पास बुला सकता है और रजिस्ट्रेशन करवा सकता है.

इन पौराणिक मंदिरों का भी करें दर्शन- साथ ही बताया कि चारधाम यात्रा रूट पर जितने भी टेंपरेरी टॉयलेट्स बनाए गए थे, उसको परमानेंट टॉयलेट बना दिया गया है. ऐसे में चारधाम यात्रा पूरी तरह से सुरक्षित है और श्रद्धालुओं के लिए सरकार की ओर से सुलभ बनाया गया है. साथ ही पर्यटन सचिव ने कहा कि चारधाम यात्रा रूट पर तमाम ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले मंदिर हैं, जिसकी जानकारी लोगों को नहीं होती है, ऐसे में पर्यटन विभाग यात्रा रूट पर मौजूद ऐतिहासिक और पौराणिक मंदिरों को भी प्रमोट कर रहा है. यात्रा रुट पर कार्तिक स्वामी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर समेत तमाम मंदिर हैं. ऐसे में श्रद्धालु चारधाम के साथ ही इन पौराणिक मंदिरों का भी दर्शन कर सकते हैं.

आवासीय कल्याण समितियों को राहत : सरकार ने स्टाम्प शुल्क घटाया, जमीन की रजिस्ट्री होगी आसान

देहरादून, एजेंसी। आवासीय सोसाइटी में सबसे ज्यादा कानूनी विवाद सोसाइटी परिसर के भीतर की पार्क, सड़क की जमीनों को लेकर होता है। बिल्डर आवास तो बेच देता है लेकिन भीतर की ये जमीनें रजिस्टर्ड नहीं करता।

प्रदेश की 500 से अधिक पंजीकृत आवासीय कल्याण समितियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। समिति के भीतर की सड़क, पार्क आदि की जमीन अब रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) अपने बिल्डर से रजिस्ट्री करा सकेंगी। सरकार ने इसके लिए स्टाम्प शुल्क में 10,000 रुपये की छूट दे दी है।

आवासीय सोसाइटी में सबसे ज्यादा कानूनी विवाद सोसाइटी परिसर के भीतर की पार्क, सड़क की जमीनों को लेकर होता है। बिल्डर आवास तो बेच देता है लेकिन भीतर की ये जमीनें रजिस्टर्ड नहीं करता। बाद में आरडब्ल्यूए रजिस्ट्री चाहती है तो इसमें परेशानी आती है। दोनों के बीच विवाद बढ़ते हैं। इन विवादों को खत्म करने के लिए धामी कैबिनेट ने 15 अप्रैल को ऐसी भूमि की रजिस्ट्री पर स्टाम्प शुल्क में 10,000 रुपये की छूट देने का निर्णय लिया था।

शासन में सचिव वित्त दिलीप जावलकर ने इसका शासनादेश जारी कर दिया है। अब प्रमोटर और आवंटियों के बीच इन जमीनों को लेकर कानूनी विवाद नहीं होंगे। पहले इसमें पूरी स्टाम्प ड्यूटी लगती थी।

सचिव वित्त दिलीप जावलकर ने कहा कि आवासीय सोसाइटी के लिए कानूनी विवाद खत्म करने को यह बदलाव तो लागू हो गया है। अब आवास विभाग को भी कहा जा रहा है कि वह ऐसे नियम बनाए, जिससे आवासीय सोसाइटी में कानूनी विवाद खत्म हों। उत्तर प्रदेश में आरडब्ल्यूए नियम लागू हैं। उत्तराखंड में भी इस दिशा में काम किया जा रहा है। इससे सोसाइटी में संपत्तियों का पंजीकरण आसान होगा।

देहरादून में लगेंगे तेज आवाज वाले 15 इलेक्ट्रॉनिक सायरन, बजट हुआ जारी

देहरादून, एजेंसी। भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बाद भले ही अब सीजफायर हो गया हो, लेकिन देहरादून में अब तेज आवाज वाले 15 इलेक्ट्रॉनिक सायरन लगाने के लिए जिला प्रशासन ने 25 लाख रूपए का बजट जारी कर दिया है. इन सायरनों को पुलिस थाना और चौकियों पर लगाया जाएगा. साथ ही इन्हें कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा. जहां से सभी सायरन एक साथ बज सकेंगे.

बता दें भारत पाकिस्तान के तनाव के दौरान 08 मई को देहरादून में मॉकड्रिल आयोजित हुई थी. जिसमें जिलाधिकारी कार्यालय, आराघर चौकी, धारा चौकी, आईएसबीटी, एमडीडीए कॉलोनी ओर इनएवीएच में सायरन का ट्रायल हुआ. सायरन के ट्रायल के आवाज बहुत कम थी. काफी दूर तक सायरन की आवाज नहीं गई. जिसके बाद जिलाधिकारी ने बैठक कर देहरादून में तेज आवाज वाले 15 इलेक्ट्रॉनिक सायरन लगाने का निर्णय लिया. जिसके लिए 25 लाख रुपए का बजट जारी कर दिया गया है.

इसमें 10 सायरन आठ किमी दूरी की क्षमता वाले होंगे. पांच सायरनों की आवाज 16 किमी तक जा सकेगी. साथ ही यह न सिर्फ हवाई आपतकाल बल्कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में भी काम आयेंगे. जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया 25 लाख रुपए की रकम अनटाइड फंड से दी गई है. सायरन की खरीद के लिए क्रय आदेश जारी कर दिया गया है. जल्द ही 15 इलेक्ट्रॉनिक सायरन खरीद लिए जाएंगे.

साइबर युद्ध से निपटने को सरकार की तैयारी, मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन पर दिया जोर

देहरादून, एजेंसी। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को आपात स्थिति में संचार व्यवस्था को दुरुस्त रखने और साइबर युद्ध से निपटने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर फेक न्यूज की निगरानी करने और भ्रामक खबरें व सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई करने को कहा है।

उन्होंने सेना के साथ जुड़े सिविल डिफेंस के हाइटलाइन नंबर को राज्य आपदा परिचालन केंद्र में स्थापित करने को कहा है। उद्देश्य यह कि किसी भी आपदा के समय विभिन्न एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय किया जा सके।

सोमवार को राज्य आपदा परिचालन केंद्र में मुख्य सचिव ने विभिन्न आपदाओं के समय त्वरित व प्रभावी कार्यवाही के
लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा भी की। इस दौरान उन्होंने राज्य की वर्तमान परिस्थितियों के

दृष्टिगत सिविल डिफेंस के दायरे का विस्तार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐसे जिलों और क्षेत्रों को चिह्नित किया जाए जिन्हें सिविल डिफेंस के रूप में अधिसूचित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपदा और हाल ही में हुए संघर्ष के परिदृश्य की पुनरावृत्ति होने की स्थिति में यह आवश्यक है कि प्रत्येक स्तर पर तैयारियों को पुख्ता रखा जाए।

नागरिक प्रशासन तथा सेना व अन्य बलों के साथ आपसी समन्वय व तालमेल बेहद जरूरी है। इसके लिए निरंतर रूप से सूचनाओं का आदान प्रदान किया जाए, जिससे की यह पता चलता रहे कि किन-किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष में कम से कम तीन बार इस तरह की अंतरविभागीय बैठकों का आयोजन किया जाए। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर लगे अग्निशमन उपकरणों की जांच करने और जरूरत पडने पर नए उपकरण लगाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने बेहतर तालमेल के लिए विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों, सेना, वायु सेना और अर्द्ध सैनिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों का वाट्सएप ग्रुप बनाने तथा विभागों तथा एजेंसियों को सिंगल प्वाइंट कांटेक्ट नामित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, पुलिस महानिदेशक दीपक सेठ, डिप्टी जनरल आफिसर इन कमांड सब एरिया ब्रिगेडियर आरएस थापा, प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव गृह शैलेश बगौली, नितेश झा, सचिव कुर्वे, डा आर राजेशकुमार, महानिदेशक नागरिक सुरक्षा डा पीवीके प्रसाद, कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडेय, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन व महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गंगोत्री-यमुनोत्री दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में दिखा ऐसा उत्साह, बारिश में भी कम नहीं हुई आस्था

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा में 12 दिन के भीतर साढ़े पांच लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। केदारनाथ धाम में प्रतिदिन 19 से 20 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। पंजीकरण का आंकड़ा 27 लाख पार हो चुका है।

रविवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में बारिश के बावजूद भी श्रद्धालुओं में गंगा और यमुना के दर्शन को लेकर उत्साह देखने को मिला। यात्री बारिश के बावजूद भी लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। वहीं 11 मई तक प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार दो लाख से अधिक श्रद्धालु गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं। रविवार को जनपद मुख्यालय

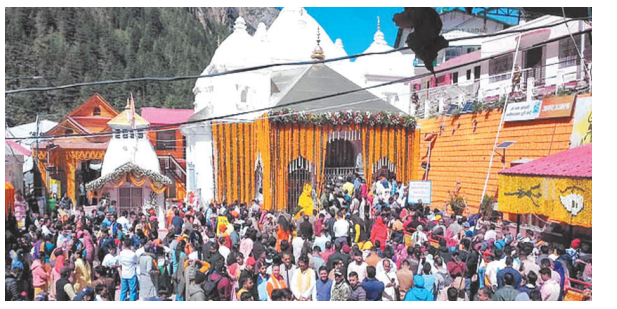

और निचले इलाकों में दोपहर बाद बारिश हुई। लेकिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में सुबह से ही बारिश जारी रही। गंगा पुरोहित सभा के सचिव माधव सेमवाल और राजेश सेमवाल ने बताया कि बारिश के कारण गंगोत्री धाम में तामपान में गिरावट आने के कारण ठंड बढ़ गई थी। लेकिन उसके बाद भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई और गंगा स्नान के बाद गंगा जी के दर्शन के लिए बारिश के बीच अपनी बारी का इंतजार करते रहे। राजेश सेमवाल ने बताया कि पिछले दो तीन दिनों से धाम में यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। वहीं दूसरी ओर यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर भी श्रद्धालु पांच किमी की पैदल यात्रा पर पूरे जोश के साथ पूरी कर रहे हैं। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार 11 मई तक यमुनोत्री धाम में कुल 112507 और गंगोत्री धाम में 94251 सहित कुल 206758 यात्री दर्शन कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे दिन भी नहीं लगा उत्तरकाशी के युवक का सुराग

देहरादून, एजेंसी। टोंस नदी में बहे उत्तरकाशी के युवक का दूसरे दिन भी सुराग नहीं लग पाया। उत्तरकाशी जिले के मोरी थाना क्षेत्र के जखोल निवासी दिनेश उर्फ फजीतू (27) पुत्र हरिपाल ने हनोल मंदिर के पास पार्किंग से नदी में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ आज फिर से नदी में तलाशी अभियान चलाएगी।

रविवार को हनोल मंदिर के दर्शन के लिए आए दिनेश उर्फ फजीतू ने पार्किंग से नदी में छलांग लगा दी थी। युवक के चाचा के बेटे ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन, वह नदी में बहते हुए लापता हो गया। सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची एसडीएआरफ ने तलाशी अभियान चलाया। लेकिन, युवक का कोई अता पता नहीं चला।थाना प्रभारी विनय मित्तल ने बताया कि सोमवार सुबह एसडीआरएफ ने फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। लेकिन, युवक का कोई सुराग नहीं लगा। बताया कि मंगलवार को भी नदी में तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

एनडीपीएस एक्ट मे वारंटी गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस वारंटी को न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। सीओ बीएल शाह ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बताया कि सोनिया बस्ती निवासी रोहित के खिलाफ वर्ष 2023 में एनडीपीएस एक्ट के तह मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी लंबे समय से न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हो रहा था। न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। सीओ ने बताया कि सोमवार को वारंटी को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

अब बरसात में खराब नहीं होंगे कृषि उत्पाद

देहरादून, एजेंसी। कृषि मंडी में आने वाले किसानों और बागवानों को अपने उत्पाद बारिश व धूप में नहीं रखने पड़ेंगे। मंडी में दो गोदाम का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। मानसून सीजन से पहले दोनों गोदामों को कृषि उत्पादों के भंडारण के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं, कोल्ड स्टोर का निर्माण कार्य भी तीन माह में पूरा होने उम्मीद है। कृषि मंडी, विकासनगर में किसानों और बागवानों के कृषि उत्पाद के भंडारण के लिए गोदाम नहीं था। इसके चलते जौनसार बावर, पछवादून, सीमांत हिमाचल प्रदेश और उत्तरप्रदेश से अपने कृषि उत्पादन मंडी में लाने वाले किसानों व बागवानों को परेशानी होती है। बारिश और धूप के चलते सब्जियां और फल जल्दी खराब हो जाते थे। वहीं, मंडी में कोल्ड स्टोर न होने से अधिक समय तक सब्जी और फल का भंडारण नहीं हो पाता था। किसानों और बागवानों को मजबूरी में सब्जी और फल औने पौने दामों पर बेचने पड़ते

लापरवाही : दून अस्पताल में फायर वाटर पंप खोला तो बैटरी ही नहीं चली

देहरादून, एजेंसी। दून अस्पताल में सोमवार को फायर सेफ्टी ऑडिट के दौरान कई खामियां मिलीं। दमकल विभाग की टीम ने फायर वाटर पंप को शुरू किया तो उसकी बैटरी ही नहीं चली। चार अग्निशमन यंत्र खराब मिले। लापरवाही पर वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी किशोर उपाध्याय ने अधिकारियों को फटकार लगाई।

दून अस्पताल की ओर से फायर सेफ्टी के लिए बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, लेकिन दमकल विभाग के अधिकारी जब इसकी हकीकत जानने पहुंचे तो तैयारियों की एक-एक कर सभी परतें खुल गईं। फायर वाटर शुरू करने के लिए कहा तो उसकी बैटरी ही नहीं चली। इससे यह पता चलता है कि लंबे समय से फायर सेफ्टी का रिहर्सल नहीं किया गया था। यह सब तब सामने आया है, जब हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पूरे देश में सुरक्षा मॉक ड्रिल की गई है। ऐसे में दून अस्पताल का फायर सेफ्टी सिस्टम फेल होना कई सवाल खड़े कर रहा है। पिछले वर्ष अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में आग लगी थी। इसमें काफी नुकसान हुआ था। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है। वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी किशोर उपाध्याय ने बताया कि अस्पताल में फायर सेफ्टी ऑडिट के दौरान मिली खामियों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि बुधवार को एक बार फिर से अस्पताल पहुंचकर इसकी समीक्षा करेंगे।

अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी में हर रोज करीब तीन हजार मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा सैकड़ों मरीज भर्ती भी रहते हैं। अस्पताल में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम न होना गंभीर मामला है। कुछ दिन पूर्व लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में आग लग गई थी। इसकी चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई थी। अस्पताल में भर्ती करीब 250 मरीजों को बाहर निकाला गया था।

शौचालय चोक, सफाई भी नहीं, छत से टपकता है पानी

देहरादून, एजेंसी। राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, देवथला में शौचालयों की स्थिति ठीक नहीं है। शौचालय चोक हो रखे हैं और गंदगी पसरी है। विद्यालय भवन की स्थिति भी ठीक नहीं है। जगह-जगह से प्लास्टर उखड़ रहा है। बरसात में छत से पानी टपकता है। दीवारों पर सीलन भी आती है।

राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवथला में चार शौचालय बने हैं। जिसमें से एक बालिका, एक बालक, एक दिव्यांग और एक शिक्षक शौचालय है। जिसमें से दो शौचालयों में सफाई न होने के चलते गंदगी पसरी पड़ी है। जबकि, एक शौचालय चोक हो गया है। छात्रों को गंदगी से भरे शौचालयों का प्रयोग करना पड़ रहा है।

वहीं, विद्यालय भवन की हालत भी ठीक नहीं है। जगह-जगह से उखड़ रहा प्लास्टर छात्रों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। स्थिति यह है कि कई बार पढ़ाई के समय ही प्लास्टर गिरने लगता है। ऐसे में विद्यालय में अध्ययनरत 38 छात्र-छात्राओं के साथ कभी भी कोई घटना घट सकती है। शिक्षा विभाग सारी स्थिति जान कर भी अनजान बना है। बरसात में छत से टपकता पानी और दीवारों पर आने वाली सीलन की दुर्गंध की समस्या से छात्र-छात्राओं को दो चार होना पड़ता है।

विद्यालय प्रबंधक समिति की अध्यक्ष पिंकी ने बताया कि इन सभी समस्याओं से विभाग को अवगत कर दिया गया है। लेकिन, विभाग न तो शौचालय और न ही भवन की मरम्मत कर रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की छात्र संख्या पहले से कही कम है। यहीं हाल रहा तो यह छात्र संख्या और घट जाएगी।

कीमती फल काफल, खट्टा-मीठा और स्वाद से भरपूर, बिक रहा 600 रुपए प्रति किलो

देहरादून, एजेंसी। पहाड़ का रसीला खट्टा-मीठा, स्वास्थ्यवर्धक और स्वाद से भरपूर काफल बिक्री के लिए दून पहुंच गया है। इस बार धनोल्टी और टिहरी के जंगलों में कम आग लगने के कारण मोटे और रस से भरपूर काफल हुआ है।

बाजार में काफल का दाम बीते वर्ष के मुकाबले इस बार डेढ़ गुना अधिक हैं। बीते वर्ष जहां 400 रुपये प्रतिकिलो बिक रहा था, वहीं इस बार 600 रुपये पहुंच गया है। ईसी रोड, डिस्पेंसरी रोड, धर्मपुर आदि क्षेत्रों में इन दिनों स्टाल लगाकर काफल की काफी बिक्री हो रही है। पेट से जुड़ी तमाम तरह की परेशानियों को खत्म करने वाला काफल की लोग खरीदारी कर रहे हैं।

चैत्र के महीने में उत्तराखंड के जंगलों में पेड़ों पर फल के रूप में लगने वाला काफल प्रारंभिक अवस्था में गहरा हरा और पककर लाल हो जाता है। इसका

गुठली युक्त फल गुच्छों में लगता है। अप्रैल मध्य तक यह फल पककर तैयार हो जाता है।

आजकल देहरादून के घंटाघर, राजपुर रोड, पथरीबाग चौक, ईसी रोड, सुभाष रोड, चकराता रोड, डिस्पेंसरी रोड, मसूरी रोड समेत विभिन्न जगहों में ठेली व रेहड़ी पर काफल 600 रुपये प्रतिकिलो बिक रहा है। स्थानीय लोग व यहां आने वाले पर्यटक खट्टे-मीठे, रसीले काफल का आनंद ले रहे हैं।

पहाड़ों में बारिश, मैदान में धूप से चढ़ेगा पारा; उत्तराखंड में 15 जून को दस्तक देगा मानूसन

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में मौसम का मिजाज मिलाजुला रहने की संभावना है। चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। वहीं मैदानी जनपदों में मौसम शुल्क रहने का अनुमान है। इस दौरान तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

सोमवार को चमोली के कर्णप्रयाग व गोपेश्वर में दोपहर बाद वर्षा हुई। उत्तरकाशी और केदारनाथ में घने बादल छाये रहे। इस दौरान देहरादून में दोपहर दो बजे तक कहीं-कहीं हल्के बादल छाये रहे, लेकिन दो बजे बाद चटख धूप खिलने से गर्मी बढ़ गई।

इस दौरान हरिद्वार, रुड़की, उधमसिंह नगर में तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। उधर, कुमाऊं के मुक्तेश्वर में पिछले 24 घंटे में 33.5 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। नैनीताल, अल्मोड़ा और चंपावत में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई।

मौसम विज्ञान विभाग ने केरल में 27 मई को मानसून के दस्तक देने का अनुमान लगाया है। ऐसे में उत्तराखंड में भी 15 से 20 जून के बीच मानसून

दस्तक दे सकता है। इस बार मानसून सीजन में सामान्य से अधिक वर्षा होने के आसार बन रहे हैं। इसके साथ ही प्री मानसून की वर्षा और ओलावृष्टि भी सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है।

मई में अब तक प्रदेश में सामान्य से तीन गुना अधिक वर्षा हुई है। ग्रीष्मकाल में भी अब तक बीते ढाई माह में अधिक वर्षा दर्ज की गई है। सोमवार को दून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार, एआई वीडियो मामले ने पकड़ा तूल

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने पर भाजपा और रुद्रसेना के कार्यकर्ताओं ने त्यूणी थाने में धरना दिया। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपत्तिजनक एआई वीडियो पोस्ट करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। भाजपा और रुद्रसेना फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने युवक की गिरफ्तारी और गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर त्यूणी थाने में धरना दिया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। त्यूणी के मैंद्रथ निवासी सुलेमान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की एक आपत्तिजनक वीडियो चंद रोज पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। उसके

बाद जबरदस्त विरोध शुरू हो गया था। रुद्रसेना फाउंडेशन और भाजपा कार्यकर्ताओं ने युवक को गिरफ्तार करने की मांग की थी। वहीं, गिरफ्तारी न होने पर उग्र प्रदर्शन की चेतावनी भी दी थी।

पुलिस ने रविवार को युवक को थाने में बुलाकर उससे पूछताछ की थी। युवक के स्मार्टफोन की जांच की। युवक ने अपनी फेसबुक आईडी से पांच एआई वीडियो डाली थी। इसमें चार पाकिस्तान के खिलाफ थी। वहीं, एक वीडियो आपत्तिजनक थी। युवक ने पुलिस को बताया कि था कि उसने गलती से वीडियो पोस्ट किया था। पुलिस ने युवक को पाबंद किया था।

सोमवार को भाजपा और रुद्रसेना के कार्यकर्ता त्यूणी थाने पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर युवक पर हल्की धाराओं में कार्रवाई करने का आरोप लगाया। रुद्रसेना फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश तोमर उत्तराखंडी ने कहा कि प्रधानमंत्री और देश के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो शेयर करना सीधे तौर पर राजद्रोह है। देश के मान सम्मान पर आघात करने का प्रयास किया गया है। इससे राष्ट्रवादी लोगों की भावना को ठेस पहुंची है।

रामनगर कांग्रेस कार्यालय कब्जा बवाल, अंदर मिले यूपी के 25 संदिग्ध, एक शातिर अपराधी भी शामिल

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल जिले के रामनगर कांग्रेस कार्यालय पर कथित कब्जे के मामला तूल पकड़ रहा है. सोमवार सुबह से शुरू हुआ विवाद मंगलवार को भी जारी है. करीब 24 घंटे तक इस हाईवोल्टेज ड्रामे ने अब उत्तराखंड की सियासत को गरमा दिया है. इस मामले में कई खुलासे हो रहे हैं. तड़के दरवाजे को खोला गया तो अंदर 25 संदिग्ध लोग पाए गए. जिससे मामला और गरमा गया.

दरअसल, पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब सोमवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जानकारी मिली कि रामनगर-रानीखेत रोड पर स्थित उनके पार्टी कार्यालय पर कुछ बाहरी लोगों ने कब्जा कर लिया है. मौके पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने पाया कि कार्यालय का ताला टूटा हुआ है और अंदर कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं. इसके बाद कांग्रेस ने मोर्चा खोलते हुए कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया.

सुबह करीब 3 बजे कार्यालय खोला गया तो अंदर मिले 25 लोग- लगातार दबाव और धरने के चलते पुलिस देर रात सक्रिय हुई और मंगलवार सुबह करीब 3 बजे जब कार्यालय का दरवाजा खोला गया तो अंदर कई लोग मौजूद मिले. अंदर 25 लोगों में से 24 पुरुष और एक महिला पाई गईं. पुलिस जांच में सामने आया कि ये सभी उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से हैं. जबकि, पहले दूसरे पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि ये लोग स्थानीय हैं और एक निजी रिसॉर्ट में काम करते हैं.

25 लोगों में से एक व्यक्ति के खिलाफ पहले ही दर्ज कई आपराधिक मामले- वहीं, पुलिस ने लगातार कांग्रेसियों के दबाव के बाद सुबह 3 बजे कांग्रेस कार्यालय खोलकर सभी का सत्यापन किया और पाया कि इनमें से एक व्यक्ति के खिलाफ गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. उस शख्स पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है. वहीं, बाकी लोगों की पृष्ठभूमि की जांच रामपुर पुलिस से भी करवाई जा रही है.

भवन स्वामी ने कही थी ये बात- दूसरी ओर कब्जे के आरोपों में घिरे भवन स्वामी नीरज अग्रवाल ने देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी कि कांग्रेस

कार्यालय पर उनके ही लोग मौजूद थे, जो उनके रिसॉर्ट में कर्मचारी हैं और रामनगर के ही निवासी हैं, लेकिन पुलिस जांच में यह दावा झूठा निकला, जिससे मामले ने और ज्यादा गंभीर मोड ले लिया.

पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प- मामले ने तब और उग्र रूप ले लिया, जब पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच रात को झड़प हुई. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें कई कांग्रेस कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए. कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतंत्र पर सीधा हमला करार दिया है.

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, जसपुर विधायक आदेश चौहान और मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन समेत कई बड़े नेता सोमवार को ही रामनगर पहुंच गए थे. सभी ने सरकार और प्रशासन पर सत्ता के दबाव में काम करने के आरोप लगाए और रात भर धरने पर डटे रहे.

पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने मुकदमा दर्ज करने की रखी मांग- पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने इस पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत दी. जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. कांग्रेस नेताओं की मांग है कि इन सभी बाहरी लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए और इस कब्जे के पीछे की साजिश का पर्दाफाश हो.

इस मामले ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है. वहीं, मंगलवार सुबह पुलिस ने कांग्रेस के दबाव पर कार्यालय का ताला खोला और सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की. जसपुर विधायक आदेश चौहान भी इस दौरान मौके पर मौजूद रहे. उन्होंने उत्तराखंड में बढ़ते अपराधों के लिए यूपी से आ रहे अपराधियों को जिम्मेदार ठहराया.

÷कार्यालय के अंदर 25 लोग मिले, जिनमें 24 पुरुष और एक महिला थी. सभी लोग उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के रहने वाले हैं. सवाल ये है कि आखिर ये लोग रात में ताला तोड़कर कार्यालय में कैसे घुसे कांग्रेस की ओर से दर्ज तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है. इन सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए.÷ - आदेश चौहान, जसपुर विधायक

क्या बोली पुलिस वहीं, एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि कांग्रेस पदाधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है. पुलिस ने 25 लोगों का सत्यापन किया, जिसमें एक व्यक्ति पर आपराधिक मुकदमे दर्ज पाए गए हैं. उन्होंने कहा कि नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है.

भवन स्वामी के दावे में सच्चाई नहीं- दूसरी ओर भवन स्वामी नीरज अग्रवाल का दावा था कि अंदर मौजूद लोग उनके रिसॉर्ट में कार्यरत कर्मचारी हैं, लेकिन जांच में वे सभी यूपी के निकले. वहीं, बीजेपी खेमे से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. कांग्रेस का कहना है कि यह मामला सिर्फ जमीन विवाद तक सीमित नहीं है. बल्कि, यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रायोजित साजिश है, जिसका मकसद विपक्ष को कमजोर करना है.

भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव से थमीं पर्यटन गतिविधियां, 90 फीसदी तक एडवांस बुकिंग निरस्त

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल में पर्यटक सीजन में ऑफ सीजन की आहट डराने वाली है। पर्यटकों की आमद से आबाद रहने वाले खुशनुमा माहौल पर यह आतंकी नजर है। ऐसी कि पीक सीजन में इस वक्त भी यहां पर्यटक कम नजर आने लगे हैं।

वादियों में पर्यटन के आकाश पर इस वक्त घोर कुहासा छा गया है। चिंताएं गहरी हैं और पर्यटन से पलने वाला हर चेहरा बेहद मायूस। पर्यटकों की आमद से आबाद रहने वाले खुशनुमा माहौल पर यह आतंकी नजर है। ऐसी कि पीक सीजन में इस वक्त भी यहां पर्यटक कम नजर आने लगे हैं। ऊपर से कारोबारियों के लिए अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात यह कि 15 मई के बाद से जून तक की एडवांस बुकिंग 90 प्रतिशत कैंसल हो चुकी है।

पर्यटक सीजन में ऑफ सीजन की यही आहट डराने वाली है। गर्मी के

पीक सीजन में आने के लिए पर्यटकों ने जब न कह दी है, तब पर्यटन कारोबार को गहरी ठेस लगती दिख रही है। पर्यटन कारोबार से नैनीताल ही नहीं आसपास के तमाम इलाकों में हजारों हाथों को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से काम मिलता है। यही हाथ अब पीक सीजन में खाली हाथ होने के डर से बेचैन हैं।

झीलों की नगरी नैनीताल के साथ ही भीमताल, नौचुकियाताल, सातताल के साथ ही कॉर्बेट की नगरी रामनगर तक लगातार पर्यटक बुकिंग निरस्त कर रहे हैं। जिस रफ्तार से बुकिंग कैंसल हो रही है, उसी तेजी से पर्यटन भी मायूस होता नजर आ रहा है।

पहलगाम पाकिस्तान का निंदनीय कृत्य, मिला खूब सबक

हल्द्वानी, एजेंसी। शहर स्थित शहीद स्मारक स्थल झंडा पार्क में शनिवार शाम संकल्प सभा हुई। भारतीय तटरक्षक बल से सेवानिवृत्त असिस्टेंट कमांडेंट आरपी सिंह समेत पूर्व सैनिकों ने देश के वर्तमान हालात पर चर्चा की।

वक्ताओं ने कहा, पाक परस्त आतंकवादियों ने पहलगाम में निंदनीय घटना को अंजाम देते हुए निर्दोषों को मारा। जवाब में भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाया। जवाबी कार्रवाई से डरकर पाक ने सीज फायर किया है। संकल्प सभा में नेवी, आर्मी, एयरफोर्स, कोस्ट गार्ड, सीएपीएफ और असम राइफल्स के पूर्व सैनिक शामिल हुए। भारी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी शामिल रहे। सभी पूर्व सैनिकों ने यह संकल्प लिया कि वह भारत के साथ हर मोर्चे पर खड़े रहेंगे। कहा कि आने वाले समय में सिविल डिफेंस, लोकल मिलिट्री कैंट या स्टेशन में संबद्धता या बॉर्डर पर भागीदारी देनी हो तो वे सभी तैयार हैं।

डीएसबी परिसर के छात्रावास में छात्रों से रैगिंग, सीनियर छात्रों पर नशीले पदार्थ मंगवाने समेत कई आरोप

नैनीताल, एजेंसी। डीएसबी परिसर स्थित एक छात्रावास के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगाया है। मामला संज्ञान में आते ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से कमेटी गठित कर तीन दिनों में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है।

कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर स्थित एक छात्रावास के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगाया है। मामला संज्ञान में आते ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से कमेटी गठित कर तीन दिनों में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है।

शुक्रवार को डीएसबी के एक छात्रावास के छात्रों ने प्रभारी डीएसडब्ल्यू प्रो. ललित तिवारी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि सीनियर छात्रों की ओर से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। आरोप लगाए कि सीनियर छात्र उनसे छात्रावास का कार्य कराते हैं, यहीं नहीं सीनियर की ओर से असाइनमेंट का कार्य कराने, बाजार से सामान मंगाने समेत अन्य कार्य भी कराए जाते हैं। ऐसे में उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मामला संज्ञान में आते ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण हरकत में आ गया।

प्रभारी डीएसडब्लयू प्रो. ललित तिवारी ने बताया कि पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। साथ ही छात्रावास में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत ने बताया वार्डन से पूछताछ की जाएगी, साथ ही छात्रों से जानकारी ली जाएगी। कमेटी की रिपोर्ट के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड के आड़ू की दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के मार्केट में बढ़ी डिमांड, काश्तकारों के खिले चेहरे

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड की पारंपरिक खेती की पहचान देश विदेश तक है. यहां पर उत्पादित लोकल उत्पाद और फल औषधीय गुणों से भरपूर माने जाते हैं. इन दिनों पर्वतीय अंचलों में आड़ू की पैदावार का सीजन चल रहा है. आड़ू फल की डिमांड इन दिनों उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देश की कई मंडियों से खूब आ रही है. हल्द्वानी मंडी से आड़ू भारी मात्रा में दूसरे राज्यों में भेजा रहा है. ऐसे में पहाड़ के काश्तकारों के साथ ही कारोबारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं.

पहाड़ के काश्तकारों और कारोबारियों के लिए अच्छी बात तो यह है कि इस बार पहाड़ी फलों का उत्पादन बहुत बेहतर हुआ है. शुरुआत में मंडियों में अच्छी डिमांड आने के कारण फलों की कीमत भी उनको अच्छी मिलने की उम्मीद है. व्यापारियों की मानें तो पर्वतीय अंचलों के फलों के दाम बाहर के मंडियों में अच्छे मिल रहे हैं. आड़ू फल की अभी शुरुआत हुई है. आड़ू होलसेल में 40 से 50 प्रति किलो बिक रहा है. जबकि खुदरा बाजारों में 60 से 80 किलो बिक रहा है. व्यापारियों का कहना है कि इस बार पहाड़ी फल समय से 10 दिन पहले बाजार में आ गए हैं. जिसके चलते डिमांड बढ़ गई है.

इस समय पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और यूपी के मंडियों में इन फलों की खूब डिमांड आ रही है. जिससे किसानों को भी पैदावार के अच्छे दाम मिल रहे हैं. नैनीताल जिले के रामगढ़, धारी, भीमताल व ओखलकांडा ब्लॉक में सेब, आड़ू, खुबानी, पुलम आदि का बहुतायत से उत्पादन होता है. प्रदेश में उत्पादित होने वाले सेब,आड़ू में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी केवल नैनीताल जिले की है, जिले में नौ हजार से अधिक काश्तकार फलों के उत्पादन से जुड़े हैं. इस बार अच्छा मौसम होने के चलते फल उच्च क्वालिटी के तैयार हुए हैं. जिससे फलों की मार्केट में भारी मांग बढ़ गई है.

बोलेरो में तोड़फोड़ और फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, फरार आरोपियों की तलाश तेज

रुद्रपुर, एजेंसी। कुंडा थाना क्षेत्र में देहरादून से लखीमपुर सड़क मार्ग पर वाहन चलाने को लेकर एकक्षत्र अधिकार कायम करने के लिए बस, बोलेरो में तोड़फोड़ करने, सवारियों को धमकाने और हवाई फायरिंग करने के मामले में दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं. पुलिस ने आरोपियों से दो तमंचे भी बरामद किए हैं. जबकि अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है.

बोलेरो और बस में तोड़फोड़ करने और फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देने वाले दो बदमाशो को कुंडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त दो 315 बोर के तमंचे बरामद किए हैं. जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में टीम जुटी हुई है. पुलिस के मुताबिक 19 मार्च को रुद्रपुर में एक पैसेंजर बस में कुछ बदमाशों द्वारा तोड़फोड़ की गई थी. जिसके बाद 22/23 की रात्रि में थाना कुंडा क्षेत्र में वही आरोपी दो वाहनों में सवार होकर ह्न-734 में पहुंचे, जहां पर उन्होंने शैलेन्द्र उर्फ शीलू निवासी ग्राम पसौली थाना

औरंगाबाद की बोलेरो में तोड़फोड़ व दहशत कायम करने के लिए फायरिंग की.

वाहनों में सवार यात्रियों के साथ गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए. जिसके बाद वादी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू की गई. जांच के दौरान पुलिस टीम ने 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर घटनास्थल की सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) का अवलोकन किया. जिसके बाद चार संदिग्ध फैसल, शाहिनूर निवासी शिवदयालपुर गली नंबर 1 थाना हापुड़ जिला हापुड़ उत्तर प्रदेश, सौरभ उर्फ टीनू ग्राम पतई भूड थाना हसनपुर जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश, फैसल उर्फ राजा निवासी ग्राम वेट थाना सिम्भावली जिला हापुड़ उत्तर प्रदेश का नाम प्रकाश में आया.

आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास किए गए, लेकिन आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी लोकेशन बदल रहे थे. जिसके बाद थाना कुंडा पुलिस ने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट और 84 बीएनएसएस की कार्रवाई की गई. मुखबिर की सूचना पर थाना पुलिस ने बीते दिन आरोपी सलमान निवासी गढ़मुक्तेश्वर मीरा की रेती थाना गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़ उत्तर प्रदेश, फैसल निवासी शिवदयाल कॉलोनी हापुड़ जिला हापुड़ को दो तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

रोहित-कोहली के इस तरह टेस्ट से संन्यास लेने से खुश नहीं कुंबले

बोले- उचित विदाई दी जानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ी उचित विदाई के हकदार हैं। रोहित और कोहली ने पांच दिनों के अंदर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया जिससे इंग्लैंड दौरे से पहले भारत को दोहरा झटका लगा है। कुंबले ने इन दोनों दिग्गजों के इस तरह विदाई लेने पर हैरानी जताई और कहा कि रोहित-कोहली को इस प्रारूप से उचित तरीके से विदाई देनी चाहिए थी।

कुंबले बोले- प्रशंसक समारोह का हिस्सा होना चाहते हैं

कुंबले ने बीसीसीआई से इस मामले में संज्ञान लेकर रोहित और कोहली को उचित विदाई देने की मांग की। कुंबले ने कहा, अभी कुछ दिन पहले रोहित शर्मा और फिर विराट कोहली। मुझे लगता है कि दोनों ही खिलाड़ी मैदान पर एक उचित विदाई के हकदार थे। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जो लोग इन चीजों को देखते हैं, उन्हें इस पर ध्यान देना चाहिए। मुझे पता है कि यह सोशल मीडिया का युग है। प्रशंसक उस समारोह का हिस्सा होना चाहते हैं, वहां बहुत सारे प्रशंसक होते और जोरदार विदाई होती।

इंग्लैंड दौरे को लेकर चिंता व्यक्त की

इसके अलावा, कुंबले ने आगामी इंग्लैंड दौरे को लेकर भी चिंता व्यक्त की क्योंकि रोहित और कोहली ने टीम में एक बड़ा अंतर पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा, रोहित ने संन्यास ले लिया है, वह कुछ समय तक कप्तान रहे थे और विराट शायद भारत के सबसे सफल कप्तान हैं और आप चाहते होंगे कि उनमें से कोई एक खिलाड़ी टीम में रहे। इंग्लैंड में मुकाबला कठिन होने वाला है, यह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को भी यह बात हैरान कर गई होगी। मुझे यकीन है कि चयनकर्ता उन्हें टीम में शामिल करने के बारे में सोच रहे होंगे।

भारतीय टीम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके साथ ही टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अगले चक्र की शुरुआत करेगी। रोहित के संन्यास लेने के बाद भारत नए टेस्ट कप्तान की अगुआई में उतरेगा। रोहित और कोहली के बाद भारतीय टीम में अधिक अनुभवी खिलाड़ी नहीं होंगे और भारत को इंग्लैंड की चुनौती का सामना करना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली, उनसे भिड़ने वाली महिला पत्रकार ने संन्यास के बाद दी शुभकामनाएं

सिडनी (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिये इस प्रारूप को अलविदा कहा। कोहली ने दुनिया के हर कोने में रन बनाए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उनकी प्रतिद्वंद्विता खास रही है। खासतौर पर कोहली ने ऑस्ट्रेलिया जाकर खूब रन बनाए हैं। यही वजह है कि जब भी वहां कोई सीरीज होती है तो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कोहली के नाम से प्रचार प्रसार करती है। वहां की मीडिया उनकी खूब तारीफ भी करती है। अब उनके टेस्ट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया के सभी अखबारों ने उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। इतना ही नहीं, जिस महिला पत्रकार से वह मेलबर्न एयरपोर्ट पर तस्वीर को लेकर भिड़े थे, उस पत्रकार ने खुद पोस्ट कर कोहली को शुभकामना संदेश दिया है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली - भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन से महानता हासिल की है और अब वह सफेद जर्सी पहनकर उनके गेंदबाजों को परेशान नहीं कर पाएंगे। इसकी खुशी ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को जरूर होगी। सोमवार को कोहली ने अपने शानदार टेस्ट करियर से अलविदा कहा तो ऑस्ट्रेलिया के मुख्य अखबार 'दैनिक सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने इस भारतीय आइकन के बारे में कहा, ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कोहली का अविश्वसनीय बल्लेबाजी कौशल और मैदान पर तीखे तेवर का संयोजन आकर्षित करता था जिससे कईयो को उसमें अपनी झलक दिखती।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को कोहली की प्रतिद्वंद्विता पसंद - अखबार ने लिखा, कोहली की ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज 2011-12 में थी जिसमें माइकल क्लार्क की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन एकतरफा रहा। 4-0 के स्कोरलाइन के बावजूद कोहली ने कई समकालीनों की तुलना में अधिक निडरता दिखाई और एडिलेड में शतक के साथ इसका समापन किया। एससीजी दर्शकों को अंगुली दिखाने के लिए उनकी आलोचना भी हुई। यह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ लड़ाई की शुरुआत थी जो इस साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उनके अंतिम दिन समाप्त हुई जब उन्होंने उसी भीड़ को 'सैंडपेपर' का इशारा किया।'

ऐतिहासिक जीत की भी याद दिलाई - 'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' (एबीसी) ने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनके सफल कार्यकाल पर प्रकाश डाला जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीत भी शामिल है। एबीसी ने लिखा, उनके टेस्ट करियर को 2014 से 2022 के बीच कप्तान के रूप में उनके कार्यकाल के लिए भी याद किया जाएगा जिसमें उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत दिलाई और इस प्रारूप में देश के सबसे सफल कप्तान बने तथा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (53) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) के बाद जीत के मामले में चौथे स्थान पर रहे।न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू में छपी खबर का शीर्षक विराट कोहली ने संन्यास की घोषणा करके 1.4 अरब दिलों को तोड़ दिया रहा। वहीं फॉक्स स्पोर्ट्स ने लिखा कि कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति से भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में खालीपन आ जएगा।

महिला पत्रकार ने भी कोहली को दी बधाई - भारत के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली मेलबर्न एयरपोर्ट पर महिला पत्रकार नैट योआनिडिस से भिड़ गए थे। ऑस्ट्रेलिआई पत्रकार कोहली की इजाजत के बिना उनके बच्चों की तस्वीर लेने की कोशिश कर रहे थे। कोहली अपने निजी जीवन को सुर्खियों से दूर रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि वह कई बार पत्रकारों को बच्चों वामिका और अकाय से दूर रहने के लिए कह चुके हैं। मेलबर्न में पत्रकारों को तस्वीर लेते देख वह भड़क गए थे। अब नैट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में उनके साथ उसी विवाद की तस्वीर साझा की है। इसके कैप्शन में लिखा- विराट, एक बेहतरीन टेस्ट करियर के लिए आपको बधाई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित, एनगिडी की हुई वापसी

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित हो गई है। इस खिताबी मैच के लिए टीम में तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की वापसी हुई है जो ग्रोइन चोट के कारण पिछले कुछ समय से बाहर चल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

बावुमा की अगुआई में उतरेगी टीम - दक्षिण अफ्रीका की टीम तेंबा बावुमा की अगुआई में डब्ल्यूटीसी के फाइनल में खेलने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका की टीम डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में 69.44 पीसीटी के साथ पहले स्थान पर रही थी। इस मुकाबले को देखते हुए एनगिडी का फिट होना दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की खबर है।

मफाका-ब्रिट्ज्के नहीं बना सके जगह - दक्षिण अफ्रीका ने अपनी नियमित टीम पर भरोसा जताया है और पाकिस्तान के खिलाफ 16 सदस्यीय टीम में से सिर्फ दो ही बदलाव किए हैं। युवा क्वेना मफाका को बाहर किया गया है, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रिट्ज्के भी टीम में जगह नहीं बना सके हैं। टोनी डि जॉर्जी, रियान रिक्लेटन और एडेन मार्करम शीर्ष क्रम में होंगे। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम और बावुमा मध्य क्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। वेरेने विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाएंगे, जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर और मार्को यानसेन भी बल्लेबाजी से योगदान देंगे।

गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी वियान मुल्डर और मार्को यानसेन के साथ-साथ कगिसो रबाडा, एनगिडी, डेन पाटेरसन और कॉर्बिन बॉश पर होगी। वहीं, स्पिन विभाग में केशव महाराज और सेनुरन मुथुसामी का विकल्प भी मौजूद होगा। मुख्य कोच शुकरी कॉनराड का मानना है कि टीम में इंग्लिश परिस्थितियों को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के लिए सभी तरह के प्रयास किए गए हैं। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने भी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है...

तेंबा बावुमा (कप्तान), टोनी डि जॉर्जी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरेने, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रियान रिक्लेटन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पाटेरसन।

एनेरी डेरक्सन द्वारा चौका लगाए जाने से गुस्साई चमारी अटापट्टू ने की ओछी हरकत, आईसीसी ने ठोका जुर्माना

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना हाल ही में श्रीलंका में संपन्न त्रिकोणीय श्रृंखला के ग्रुप चरण के अंतिम मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के साथ 32वें ओवर में उस समय हुई, जब एनेरी डेरक्सन द्वारा चौका लगाए जाने के बाद अटापट्टू ने अपना चश्मा उतारकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके कई टुकड़े हो गए।

यह आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन है और अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट से जुड़े उपकरणों का दुरुपयोग और मैदान के उपकरणों के फेंकने से संबंधित है। इस अपराध के लिए अटापट्टू पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जर्माना लगाया गया। इसके अलावा 24 महीने की अवधि में पहले अपराध के तहत अटापट्ट पर अनुशासनात्मक कारवाई के तहत एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और डेडुनू डी सिल्वा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल और चौथे अंपायर निमाली परेरा ने अटापट्टू पर आरोप लगाए थे। अटापट्टू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस लिये इस पर और सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

कोहली के संन्यास के बाद बोले पुजारा

नंबर 4 के लिए सही खिलाड़ी खोजने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ की हड्डी रहे चेतेश्वर पुजारा का मानना ??है कि नंबर चार की बल्लेबाजी की स्थिति महत्वपूर्ण है और यही वह स्थान है जहां आप अपना शीर्ष बल्लेबाज चाहते हैं। पुजारा का मानना ??है कि भारतीय टीम को उस स्थान के लिए सही खिलाड़ी का पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत है, क्योंकि विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारत के सामने एक सवाल खड़ा हो गया है कि उनका अगला नंबर 4 कौन होगा। कोहली ने सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से 99 में नंबर 4 पर बल्लेबाजी की है।

पुजारा ने मंगलवार को ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर 4 पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण स्थान है। आपको नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। इस समय, मुझे लगता है कि यह अभी भी एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर 4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है उन्होंने कहा, बहुत सारे खिलाड़ी हैं जो प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बना रहे हैं, इस स्तर पर किसी के पास सुरक्षित स्थान नहीं है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।

पुजारा का यह भी मानना ????था कि यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, और उन्हें लगता है कि इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने वाला कोई व्यक्ति नंबर 4 स्थान पर हो सकता है। पुजारा ने कहा, अभी कोई निर्णय लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है क्योंकि इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने वाला कोई व्यक्ति नंबर 4 स्थान पर हो सकता है।

कोहली और रोहित शर्मा के बिना भारत का पहला काम जून में इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेलना है, जो नए आईसीसीके नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी होगी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय चयनकर्ताओं के लिए शीर्ष क्रम में उनके लिए सही फिट खोजना एक चुनौती होगी।

स्मृति मंधाना को मिला दमदार प्रदर्शन का फायदा, छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंचीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को त्रिकोणीय सीरीज में दमदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वह एक स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंच गईं। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई इस सीरीज में भारत ने शानदार जीत दर्ज की थी। फाइनल मुकाबले में भारत ने मंधाना की शतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका को 97 रन से हराया था। अब उन्हें इस प्रदर्शन का लाभ मिला है।

11वें वनडे शतक के साथ मंधाना ने ब्यूमोंट को पीछे छोड़ा - इस सीरीज के फाइनल मुकाबले में 28 वर्षीय बल्लेबाज ने 116 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। इस दौरान उनके बल्ले से 15 चौके और दो छक्के निकले। अपने करियर के 11वें शतक के साथ मंधाना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। वह सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गईं। इस मामले में वह इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट से आगे निकल गईं, जिन्होंने इस प्रारूप में 10 शतक लगाए हैं।

दूसरे स्थान पर पहुंची मंधाना - इसी के साथ मंधाना आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। पहले स्थान पर 738 रेटिंग अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ड्ट हैं। मंधाना पहला स्थान हासिल करने से कुछ कदम दूर हैं। उनके खाते में 727 रेटिंग अंक हैं।

दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे के 6 स्थानों पर होते हैं अधिक हादसे, ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे के छह स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। बीते साल 2024 में दुर्घटनाओं के आंकड़ों में 41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। छह स्थानों पर हादसे होने का मुख्य कारण की जांच में सामने आया है कि भारी वाहन पीछे से वाहनों में टक्कर मारते हैं। मुख्य रूप से ज्यादातर दुर्घटनाएं ऐसे ही होती हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने ऐस हादसों में कमी लाने के लिए प्लान तैयार कर लिया गया है। हाईवे पर साइनेज बोर्ड लगाने के साथ-साथ गूगल मैप में भी वाहन चालकों को दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र होने के बारे में अलर्ट मिलेगा, ताकि यहां पर दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा भी अब सख्ती बरती जाएगी, जिससे हादसे न हों।

ये हैं हादसे वाले स्थान: रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-जयपुर हाईवे पर छह स्थान सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। इनमें 32 एवेन्यू प्रवेश, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला चौक, आईएमटी मानेसर और बिलासपुर चौक शामिल हैं। इन छह स्थानों पर साल 2023 में 108 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं और इनमें 45 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, साल 2024 में 184 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं और उनमें 99 लोगों की मौत हुई थी। साल 2023 के मुकाबले साल 2024 में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 41.30 फीसदी दुर्घटनाओं के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई। वहीं, साल 2023 के मुकाबले साल 2024 में मौत के आंकड़ों में 54.54 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस द्वारा चिंता जाहिर करते हुए दुर्घटनाओं और मौत के आंकड़ों को कम करने के लिए योजना तैयार की जा रही है। जल्द ही योजना तैयार होने के बाद उस पर काम भी शुरू हो जाएगा। बता दें कि अप्रैल महीने में जिला टास्क फोर्स की बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी और मई माह में होने वाली बैठक में एक्शन टेकन रिपोर्ट भी संबंधित विभाग की तरफ से पेश की जाएगी।

बैठक में कार्रवाई के दिए गए निर्देश : हाईवे पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए उपायुक्त अजय कुमार की तरफ से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ अन्य विभाग को भी सख्त कार्रवाई करने को कहां गया है। मई माह में होने वाली बैठक में ट्रैफिक पुलिस और अन्य विभागों के द्वारा की गई कार्रवाई की एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) पेश करेंगे।

दोपहिया चालकों के होते हैं सबसे ज्यादा हादसे: दिल्ली से सटे गुरुग्राम में हर साल 800 से ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। इनमें 400 से ज्यादा लोगों की मौतें होती हैं। सबसे ज्यादा जान दोपहिया वाहन चालकों की जाती हैं। इसके बाद साइकिल सवार और कार में सवार लोगों को जान गंवानी पड़ती है। हादसों का मुख्य कारण है तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने के साथ पीछे से टक्कर मारना।

हादसे कम करने का प्रयास जारी: ट्रैफिक पुलिस हाईवे पर होने वाले हादसों को कम करने के लिए प्रयास कर रही है। हाईवे पर सबसे ज्यादा जिन स्थानों पर हादसे होते हैं, वहां पर साइनेज बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि वाहन चालक उन चौक से संभल कर निकले। इसके अलावा लेन में नहीं चलने वाले भारी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ.राजेश कुमार मोहन, डीसीपी ट्रैफिक, हादसे कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

सूरज के तल्ख तेवरों से दिल्ली में तपिश

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सूरज के तेवर तल्ख होने से एक बार फिर झुलसाने वाली गर्मी बढ़ने लगी है। सोमवार को तेज धूप के चलते बीते तीन दिनों में ही अधिकतम तापमान में लगभग ढाई डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार से अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार जाने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिनभर की धूप के चलते अब मौसम में तेजी से गर्मी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच पहुंचने की संभावना है। हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहेगी। दिन में आसमान साफ रहेगा, लेकिन बीच-बीच में हल्के बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

ज्यादातर इलाकों में सोमवार सुबह से ही तेज धूप निकली। मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। आर्द्रता का स्तर 64 से 30 फीसदी तक रहा। मौसम के अलग-अलग कारकों की वजह से दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 162 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह साफ-सुथरा स्तर बना रहेगा। बता दें कि, सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

मैं चाहती हूं कि... ; मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया दिल्ली को लेकर अपना सपना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को शहर के लिए अपना सपना बताते हुए कहा कि उन्होंने एक विकसित दिल्ली के निर्माण की जिम्मेदारी पूरी करने का ईश्वर से वादा किया है। मयूर विहार फेज एक में उत्तर गुरुवायुरप्पन मंदिर के 36वें वार्षिकोत्सव में भाग लेते हुए गुप्ता ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि दिल्ली हर तरह से देश का नंबर एक राज्य बने।'

गुप्ता ने लोगों को भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार लोगों की है और उनके कल्याण के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, 'हम कंधे से कंधा मिलाकर, कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।' उन्होंने समारोह के दौरान श्रद्धालुओं और समुदाय के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने के लिए आभार जताया।

दिल्ली को देश का नंबर एक राज्य बनाना चाहते हैं-रेखा गुप्ता: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मंदिर का माहौल उन्हें अन्य दक्षिण भारतीय मंदिरों की याद दिलाता है, जहां वे पहले भी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहने वाले मलयाली समुदाय ने उसी पवित्र और सांस्कृतिक माहौल को सफलतापूर्वक फिर से बनाया है। सीएम ने कहा, मैं यहां के समुदाय को मुझ पर भरोसा करने और मुझे मुख्यमंत्री के रूप में चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने समारोह में लोगों से आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकरण कराने का भी आग्रह किया और कहा कि स्वास्थ्य योजना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करेगी। इस वार्षिकोत्सव में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पारंपरिक अनुष्ठान, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान उनके साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद थे और दोनों ने मिलकर उत्तर गुरुवायुरप्पन मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

भारत को कायर बताने पर सनम तेरी कसम की लीड एक्ट्रेस पर भड़के फिल्म मेकर्स, बोले- 1 भी रुपया नहीं देंगे

कराची, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पाकिस्तानी कलाकारों पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। इस बीच पाकिस्तान की मशहूर अभिनेत्री मावरा होकेन ने भारत पर बयानबाजी की थी, जो फिल्म सनम तेरी कसम में मुख्य भूमिका में थीं। एक्ट्रेस की बयानबाजी का भारत में विरोध हुआ। मावरा के इस बयान ने फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे का गुस्सा भड़काया था।

मावरा होकेन का विवादास्पद बयान: पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा किए गए हवाई हमलों की आलोचना करते हुए इसे कायरतापूर्ण बताया था। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तानी जनता के दुख को साझा किया था। मावरा के इस ट्वीट ने भारतीय सोशल मीडिया पर बुरी तरह से हलचल मचाई थी और लोग उनसे नाराज हो गए थे। पाकिस्तान में बड़ा खुलासा, 2 करोड़ लोग बोले- भारत से युद्ध हुआ तो नहीं देंगे पाक सेना का साथ पाकिस्तान में बड़ा खुलासा, 2 करोड़ लोग बोले- भारत से युद्ध हुआ तो नहीं देंगे पाक सेना का साथ

फिल्म मेकर्स का कड़ा रुख: अब फिल्म मेकर्स राधिका राव और विनय सप्रू ने भी मावरा के बयान की निंदा की है। दोनों ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के कारण भारतीयों की जानें जा रही हैं और पाकिस्तान के कलाकारों की चुप्पी या फिर उनके विवादास्पद बयानों से निराशा हो रही है। उनका यह बयान फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडियन सिने एम्प्लॉइज के उस फैसले से मेल खाता है, जिसमें पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

मेकर्स ने पाक कलाकारों से लिया किनारा: राधिका राव और विनय सप्रू ने भारतीय सरकार के फैसले का समर्थन किया, जिसमें पाकिस्तानी कलाकारों से दूरी बनाने की बात की गई है। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह से अपनी सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं। इन कलाकारों को एक भी रुपया नहीं दिया जाना चाहिए। हमें अपनी पहचान, सम्मान और कल्याण से पहले कुछ भी नहीं देखना चाहिए।

हर्षवर्धन राणे का इमोशनल बयान: फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने भी एक इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए मावरा के बयानों पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि जब उन्हें यह खबर मिली कि उनकी फिल्म के अगले सीक्वल में मावरा होकेन को फिर से लिया जा सकता है, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कह दिया कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगे। हालांकि मैं इस फिल्म के अनुभव के लिए आभारी हूं, लेकिन अब जब मेरी मातृभूमि के खिलाफ बयानबाजी की जा रही है, तो मैंने यह फैसला लिया है कि अगर मावरा इस फिल्म का हिस्सा होंगी, तो मैं सनम तेरी कसम 2 का हिस्सा नहीं बनूंगा।

पाकिस्तानी कलाकारों पर भारतीय रुख में बदलाव: भारत सरकार और फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते इस रुख से यह साफ है कि सीमा पार आतंकवाद और पाकिस्तानी कलाकारों के बयानबाजी के चलते फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव आ रहा है।

मेकर्स और कलाकारों ने अपने रुख को सख्त किया है और यह सुनिश्चित किया है कि अब इस दिशा में कड़ा कदम उठाया जाएगा।

RNI: UTTHIN/2011/41757
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक जयदीप भट्ट द्वारा दिशा ग्राफिक्स प्रिंटर्स, 43 ओमकार रोड, चुक्खुवाला, ब्लाक-2, देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित करवाकर, विलेज एण्ड पोस्ट गुमानीवाला ऋषिकेश, देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: जयदीप कुमार भट्ट
(8979878444)
किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
Email
info@sakshamuttarakhand.com